ज्ञानामृत

तुम अगर सूर्य के जीवन से
चले जाने पर चिल्लाओगे तो आँसू भरी
आँखे सितारे कैसे देखेंगी।

रविंद्रनाथ टैगोर

राष्ट्र को समर्पित

विजय मत

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, शनिवार, 28 फरवरी 2026 | वर्ष- 11 | अंक- 80 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

न्यूज इन शॉर्ट

भारत बनेगा दुनिया का सबसे बड़ा सर्विस हब, युवा करेंगे नेतृत्वः एनएसई प्रमुख

मुंबई, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार चौहान

ने कहा कि भारत 90 के दशक जैसी आईटी ₹ ांति को अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में दोहराने की क्षमता रखता है। उनके अनुसार आने वाले वर्षों में देश एआई सेवाओं का वैश्विक केंद्र बन सकता है। एक व्यावसायिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के पास बड़ी युवा आबादी, तकनीकी दक्षता और तेजी से बढ़ता डिजिटल ढांचा है, जो एआई क्षेत्र में नेतृत्व की मजबूत आधारशिला है। जिस तरह 1990 के दशक में भारतीय आईटी उद्योग ने वैश्विक पहचान बनाई थी, उसी तरह अब एआई भारत की अगली विकास यात्रा का इंजन बनेगा।

कोलकाता समेत कई शहरों में 5.4 तीव्रता के झटके, केंद्र बांग्लादेश में

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता सहित कई शहरों में शु₹ वार दोपहर करीब 1.20 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.4 दर्ज की गई। झटके महसूस होते ही लोग घबराकर घरों और

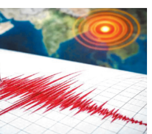

दफ्तरों से बाहर निकल आए। रिपोर्ट्स के अनुसार भूकंप का केंद्र बांग्लादेश में था। यूरोपीय भूमध्यसागरीय भूकंपीय केंद्र (ईएमएससी) ने बताया कि 5.4 तीव्रता का यह भूकंप 35 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। वहीं ढाका स्थित भूकंपीय केंद्र ने भी इसकी पुष्टि की है। कोलकाता के विभिन्न इलाकों से सामने आए वीडियो में लोग एहतियातन खुले स्थानों की ओर जाते दिखाई दिए। हालांकि समाचार लिखे जाने तक किसी बड़े नुकसान या जनहानि की सूचना नहीं मिली है। प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है और लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की गई है।

भारत की समुद्री शक्ति में इजाफा, आईएनएस अंजदीप नौसेना में शामिल, पनडुब्बी रोधी क्षमता और मजबूत

चेन्नई, एजेंसी। भारतीय नौसेना को पनडुब्बी रोधी क्षमताओं को सुदृढ़ करने के लिए एक और अत्याधुनिक युद्धपोत मिल

गया है। आठ उथले पानी में संचालन योग्य पनडुब्बी रोधी पोतों की श्रृंखला का तीसरा जहाज आईएनएस अंजदीप 27 फरवरी को चेन्नई में औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया गया। कमीशनिंग समारोह में नौसेना प्रमुख दिनेश कुमार त्रिपाठी (एडमिरल) उपस्थित रहे। कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स द्वारा स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित यह पोत 80 प्रतिशत से अधिक देशी सामग्री से बना है। 'डॉल्फिन हंटर' के रूप में विकसित इस युद्धपोत का मुख्य उद्देश्य तटीय क्षेत्रों में दुश्मन पनडुब्बियों का पता लगाना, उनका पीछा करना और उन्हें निष्क्रिय करना है।

फ्रांस में 12 लाख बैंक खातों का डेटा लीक, सरकारी रजिस्ट्री सिस्टम पर बड़ा हमला

पेरिस, एजेंसी। फ्रांस में हुए एक बड़े साइबर हमले ने देश की बैंकिंग सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हैकर्स ने सरकारी बैंक अकाउंट रजिस्ट्री सिस्टम में सेंध

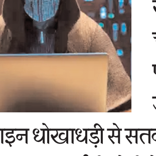

लगाकर करीब 12 लाख खातों का संवेदनशील डेटा चुरा लिया। घटना के बाद फ्रांसीसी सरकार ने अलर्ट जारी करते हुए नागरिकों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से सतर्क रहने की सलाह दी है। यह हमला एफआईसीओबी डेटाबेस पर हुआ, जो फ्रांस का केंद्रीय राष्ट्रीय बैंक खाता रजिस्टर है। इसमें देश के सभी बैंक खातों का आधिकारिक रिकॉर्ड सुरक्षित रखा जाता है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, हमलावरों ने किसी जटिल तकनीक के बजाय एक सरकारी कर्मचारी की लॉगिन आईडी और पासवर्ड चुराकर सिस्टम में प्रवेश किया।

मुख्यमंत्री ने आलीराजपुर को दी 171 करोड़ रुपए से अधिक के 49 विकास कार्यों की सौगात

भारत की क्रांति का तेजस्वी स्वर थे आजाद

जन्मभूमि को बनाएंगे प्रेरणा केंद्र : मोहन

विजय मत, ब्यूरो आलीराजपुर

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उनकी जन्मस्थली चंद्रशेखर आजाद नगर (भाबरा) पहुंचकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आजाद भारत की क्रांति का तेजस्वी स्वर थे, जिनकी वीरता, आत्मसम्मान और अदम्य साहस की गाथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अमर बलिदानियों और क्रांतिकारियों के जीवन से प्रेरणा लेकर गरीब, किसान, युवा और नारी कल्याण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। उन्होंने कहा कि गुजरात के साथ-साथ पड़ोसी मध्यप्रदेश के आलीराजपुर जिले का भी आर्थिक तंत्र बदला है। आलीराजपुर भील जनजाति की संस्कृति, स्वाभिमान और संघर्ष की भूमि है, जिसने आजाद जैसे महान क्रांतिकारी को जन्म दिया।

सिंचाई, किसान और सामाजिक योजनाओं पर जोर

मुख्यमंत्री ने कहा कि आलीराजपुर में 1800 करोड़ रुपये लागत की नर्मदा सिंचाई परियोजना प्रगति पर है, जिससे 170 गांवों को सिंचाई का पानी मिलेगा। जनजातीय अंचल के किसानों को इसका प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। वर्ष 2026 को किसानों के लिए समर्पित बताते हुए उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। राज्य में लाड़ली बहनों को प्रतिमाह 1500 रुपये की सहायता दी जा रही है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अंतर्गत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 12 हजार रुपये (6 हजार केंद्र और 6 हजार राज्य) प्रदान किए जा रहे हैं। गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की सहायता के लिए जिलों में निःशुल्क शव वाहन की व्यवस्था की गई है। सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को त्वरित उपचार देने के लिए राहवीर योजना प्रारंभ की गई है।

मुख्यमंत्री ने दी विकास कार्यों की सौगात

मुख्यमंत्री ने जिले के समग्र विकास के लिए 171 करोड़ रुपये लागत के 49 विकास कार्यों की सौगात दी। रिमोट के माध्यम से 79.92 करोड़ रुपये लागत के 14 विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। इनमें खंडाला में 34 करोड़ 20 लाख रुपये की लागत से निर्मित सांदीपनि विद्यालय, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत 27 करोड़ 75 लाख रुपये लागत के चार उच्च स्तरीय पुल, सात करोड़ रुपये की लागत से नवीन छात्रावास भवन तथा आठ करोड़ रुपये की लागत से बलेडी (जोबट) और नानपुर में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। मोराजी, खामट, पिलियावट और बेकलगांव बड़ी में उप स्वास्थ्य केंद्रों का भी लोकार्पण किया गया। इसके साथ ही 119.01 करोड़ रुपये लागत के 35 विकास कार्यों का भूमि-पूजन किया गया। इनमें 40 करोड़ 58 लाख रुपये लागत से आठ विद्यालयों में छात्रावास, 31 करोड़ रुपये लागत से 11 नवीन विद्यालय भवन, 24 करोड़ रुपये लागत से दाबड़ी, बोरकुंडिया और कड़वानिया में 100-100 सीटर छात्रावास तथा रणजीतगढ़ और सूखीबावड़ी तालाब का निर्माण शामिल है। सोंडवा में नवीन जनपद पंचायत भवन, सामुदायिक भवन और एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का भी भूमि-पूजन किया गया।

स्थानीय आस्था स्थलों को नमन, जननायकों का स्मरण... मुख्यमंत्री ने स्थानीय आस्था के प्रतीक बाबा भीलट देव, बाबा डूंगर देव, बाबा पाटला देव, रानी काजल माता, डूंगरी माता और मालवाई माता को नमन करते हुए कहा कि यह पावन धरती केवल आजाद ही नहीं, बल्कि शहीद छीतू किराड़ जैसे जननायकों की जन्मभूमि भी रही है। राज्य सरकार इन महान विभूतियों के योगदान को जन-जन तक पहुंचाने और उनकी स्मृतियों को संरक्षित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बनाएंगे आजाद पार्क... मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि चंद्रशेखर आजाद नगर को देश-विदेश से आने वाले लोगों के लिए प्रेरणा और गौरव का केंद्र बनाया जाएगा। यहां ऐतिहासिक शहीद पार्क का निर्माण किया जाएगा। संस्कृति विभाग के माध्यम से इस स्थान को विकसित कर आकर्षक स्वरूप दिया जाएगा, ताकि नई पीढ़ी आजाद के जीवन और बलिदान से परिचित हो सके। आजाद की जन्मभूमि राष्ट्रभक्ति और आत्मसम्मान की जीवंत प्रतीक है।

आजाद कुटिया में श्रद्धांजलि... मुख्यमंत्री ने आजाद कुटिया में पहुंचकर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके जीवन से जुड़ी दुर्लभ तस्वीरों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मात्र 15 वर्ष की आयु में असहयोग आंदोलन में शामिल होकर आजाद ने जो साहस दिखाया, वह अद्वितीय है। मजिस्ट्रेट के समक्ष उन्होंने अपना नाम "आजाद", पिता का नाम "स्वतंत्र" और घर "जेल" बताया था, जो उनके आत्मसम्मान का परिचायक है।

बाजार में घबराहट भरी बिकवाली

सेंसेक्स 961 अंक टूटा, निफ्टी 318 अंक लुढ़का

निवेशकों के 4.9 लाख करोड़ डूबे

मुंबई, एजेंसी

सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार में तेज गिरावट दर्ज की गई, जिससे निवेशकों को बड़ा झटका लगा। प्रमुख सूचकांक लाल निशान में बंद हुए और कुल बाजार पूंजीकरण में लगभग 4.9 लाख करोड़ की कमी दर्ज की गई। दिनभर बिकवाली का दबाव बना रहा और निवेशकों का रुख स्पष्ट रूप से सतर्क दिखाई दिया। बीएसई सेंसेक्स 961 अंक गिरकर लगभग 81,287 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 सूचकांक 318 अंक टूटकर करीब 25,178 पर आ गया। बैंकिंग, मध्यम आकार की कंपनियों और लघु कंपनियों के अधिकांश समूहों में गिरावट रही। अचल संपत्ति और धातु क्षेत्र में भी भारी दबाव देखने को मिला।

4.9 लाख करोड़ की पूंजी साफ

कारोबार के दौरान सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार मूल्य में लगभग ?4.9 लाख करोड़ की गिरावट दर्ज की गई। इसका सीधा असर खुदरा और संस्थागत निवेशकों की संपत्ति पर पड़ा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की आक्रामक बिकवाली ने दबाव को और बढ़ाया।

प्रमुख शेयरों में कमजोरी

बैंकिंग क्षेत्र के बड़े निजी और सार्वजनिक बैंक गिरावट में रहे। धातु क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों सहित कई बड़ी कंपनियों के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। मध्यम और लघु कंपनियों के समूहों में भी कमजोरी ने बाजार की नकारात्मक धारणा को और मजबूत किया।

हाईकोर्ट ने शंकराचार्य मामले में फैसला सुरक्षित रखा, गिरफ्तारी पर फौरी रोक

प्रयागराज, एजेंसी

यौन उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को इलाहाबाद हाईकोर्ट से अंतरिम राहत मिली है। अदालत ने उनकी गिरफ्तारी पर फिलहाल रोक लगा दी है और अग्रिम जमानत याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कड़ा विरोध दर्ज कराया गया और तर्क दिया गया कि आरोपी एक प्रभावशाली व्यक्ति हैं, ऐसे में वे बाहर रहने पर जांच और गवाहों को प्रभावित कर सकते हैं। मामला पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में दर्ज प्राथमिकी से जुड़ा है। आरोप है कि नाबालिगों के साथ दुराचार किया गया। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में दलील दी गई कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप निराधार हैं और उन्हें साजिश के तहत फंसाया जा रहा है।

सरकारी पक्ष का कड़ा विरोध

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि मामला गंभीर प्रकृति का है और आरोपी की सामाजिक-धार्मिक हैसियत को देखते हुए साक्ष्यों से छेड़छाड़ या गवाहों पर दबाव की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। उन्होंने अदालत से आग्रह किया कि अग्रिम जमानत याचिका खारिज की जाए ताकि निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जा सके।

केरल हाईकोर्ट से 'द केरल स्टोरी 2' को राहत

कोच्चि, एजेंसी। केरल हाईकोर्ट ने फिल्म 'द केरल स्टोरी 2' की रिलीज पर लगी रोक को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सिंगल जज के उस अंतरिम आदेश पर दो हफ्तों के लिए रोक लगा दी है, जिसमें फिल्म की रिलीज 15 दिनों के लिए स्थगित की गई थी। कोच्चि में शुक्रवार को जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस पी. वी. बालकृष्णन की खंडपीठ ने यह आदेश फिल्म के निर्माता विपुल अमृतलाल शाह की अपील पर सुनाया। अपील देर गुरुवार रात दायर की गई थी, ठीक कुछ घंटों बाद जब फिल्म की रिलीज पर रोक लगाई गई थी। खंडपीठ ने गुरुवार रात ही सुनवाई पूरी कर फैसला सुरक्षित रख लिया था। विस्तृत आदेश अभी आना बाकी है। निर्माता की ओर से अदालत में दलील दी गई कि फिल्म का उद्देश्य केरल राज्य या किसी धार्मिक समुदाय को बदनाम करना नहीं है।

हंगामे के बीच मध्य प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

विजय मत, भोपाल

मप्र विधानसभा में शुक्रवार को जमकर हंगामा हुआ, जिसके बाद सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। हर्ष फायरिंग के एक मामले में दर्ज एफआईआर को लेकर विपक्ष ने कड़ा

विरोध जताया। इसी दौरान कांग्रेस के एक विधायक ने सदन के भीतर शीर्षासन कर प्रदर्शन किया, जिससे स्थिति और अधिक तनावपूर्ण हो गई। विपक्ष का आरोप था कि संबंधित प्रकरण में की गई एफआईआर राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है। कांग्रेस सदस्यों ने सरकार पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी और शोर-शराबे के कारण कार्यवाही बार-बार बाधित होती रही। स्थिति नियंत्रण से बाहर होती देख अध्यक्ष ने पहले सदन की कार्यवाही स्थगित की और बाद में अनिश्चितकाल के लिए स्थगन की घोषणा कर दी। सत्ता पक्ष ने विपक्ष के आचरण को गैर-जिम्मेदाराना बताया, जबकि विपक्ष ने इसे लोकतांत्रिक विरोध का तरीका करार दिया। घटना के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है और दोनों दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

आबकारी नीति केस

केजरीवाल-सिसोदिया को बड़ी राहत, सीबीआई ने की हाईकोर्ट में अपील

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बहुचर्चित आबकारी नीति से जुड़े कथित

भ्रष्टाचार मामले में पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया तथा अन्य आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्ट्या किसी आपराधिक षड्यंत्र का पर्याप्त आधार नहीं बनता। यह फैसला सीबीआई द्वारा दर्ज मामले में सुनाया गया। हालांकि केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है और उस प्रकरण में कानूनी प्रक्रिया जारी रहेगी।

ड्यूरंड रेखा पर बढ़ता सैन्य टकराव

तालिबान का पलटवार, पाकिस्तान का दावा : 133 अफगान लड़ाके मारे, 200 से ज्यादा घायल

काबुल/इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर तनाव ने अब खुले सैन्य टकराव का रूप ले लिया है। पाकिस्तान द्वारा 133 अफगान लड़ाकों के मारे जाने और 200 से अधिक के घायल होने का दावा किए जाने के बाद अफगानिस्तान में सत्तारूढ़ तालिबान ने जवाबी हमला शुरू कर दिया। सीमा के कई सेक्टरों में भारी गोलाबारी और तोपखाने के इस्तेमाल की पुष्टि हुई है, जिससे हालात युद्ध जैसे बन गए हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों ने कहा कि हालिया कार्रवाई सीमा पार से हो रही घुसपैठ और हमलों के जवाब में की गई। उनका दावा है कि अफगान क्षेत्र में मौजूद ठिकानों को निशाना बनाया गया और कई ठिकाने ध्वस्त किए गए। पाकिस्तान ने यह भी कहा कि उसकी सेना उच्च सतर्कता पर है और किसी भी दुस्साहस का कड़ा जवाब दिया जाएगा। हालांकि स्वतंत्र एजेंसियों ने हताहतों के आंकड़ों की पुष्टि नहीं की है।

1.64 लाख रुपये के पार पहुंचा सोना, चांदी ₹2500 गिरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सर्राफा बाजार में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। वैश्विक व्यापारिक अनिश्चितताओं और भू-राजनीतिक तनाव के बीच शुक्रवार को सोने की कीमतों में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया है। वहीं, दूसरी ओर चांदी की कीमतों में नरमी का रुख रहा। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,800 रुपये उछलकर 1,64,700 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पहले गुरुवार को यह 1,62,900 रुपये पर बंद हुआ था। इसके विपरीत, चांदी लगातार दूसरे दिन टूटकर 2,500 रुपये (करीब 1 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 2,68,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है, जो इसके पिछले बंद भाव 2,70,500 रुपये से कम है।

पश्चिम बंगाल मतदाता सूची पुनरीक्षण पर सुनवाई

किसी भी संस्था को निर्देशों की सीमा से बाहर जाने की अनुमति नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर चल रहे विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट कहा कि न तो चुनाव आयोग और न ही राज्य सरकार शीर्ष अदालत के आदेशों से आगे जाएगी। अदालत ने दोहराया कि उसके निर्देश पूरी तरह स्पष्ट हैं और निर्धारित दायरे से बाहर कोई कदम स्वीकार नहीं किया जाएगा। शीर्ष अदालत ने 20 फरवरी को एक 'असाधारण' निर्देश जारी करते हुए कहा था कि पश्चिम बंगाल में विवादित मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की सहायता के लिए सेवारत और सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीशों को तैनात किया जाए।

न्यायिक अधिकारियों की निष्पक्षता पर भरोसा

सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से बताया गया कि चुनाव आयोग ने एसआईआर में तैनात न्यायिक अधिकारियों के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल जारी किया है। इस पर टिप्पणी करते हुए अदालत ने कहा कि उसे अपने न्यायिक अधिकारियों पर पूरा विश्वास है और वे किसी भी प्रकार के प्रभाव में नहीं आएंगे। अदालत ने स्पष्ट किया कि किन दस्तावेजों की जांच की जानी है।

विजय मत एंकर

हिन्दू कैलेंडरः पंचांग संतुलन के लिए जोड़ा गया अतिरिक्त कालखंड

तीन वर्ष बाद विशेष संयोग, 13 माह का होगा वर्ष 2026

नई दिल्ली, एजेंसी

वर्ष 2026 आध्यात्मिक और खगोलीय दृष्टि से विशेष महत्व रखने वाला वर्ष माना जा रहा है। हिंदू पंचांग की गणना के अनुसार इस वर्ष ज्येष्ठ का महीना दो बार आएगा, जिसके कारण साल में 12 के स्थान पर कुल 13 महीने होंगे। 17 मई से 15 जून 2026 तक की अवधि को अधिक मास अथवा पुरुषोत्तम मास कहा जाएगा। यह अतिरिक्त महीना लगभग तीन वर्ष में एक बार आता है और पंचांग की गणना में संतुलन स्थापित करने का कार्य करता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह समय ईश्वर भक्ति, साधना और आत्मचिंतन के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है। विद्वानों का कहना है कि अधिक मास अशुभ नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नयन का विशेष अवसर है।

सूर्य और चंद्र वर्ष के अंतर से जुड़ा वैज्ञानिक आधार

अधिक मास का संबंध खगोलीय गणना से है। एक चंद्र वर्ष लगभग 354 दिनों का होता है, जबकि सौर वर्ष 365 दिनों का। इस प्रकार प्रतिवर्ष लगभग 11 दिनों का अंतर रह जाता है। जब यह अंतर बढ़ते-बढ़ते लगभग 30 दिनों के बराबर हो जाता है, तब पंचांग में संतुलन बनाए रखने के लिए एक अतिरिक्त महीना जोड़ा जाता है। इसी वैज्ञानिक और गणितीय प्रक्रिया के चलते 2026 में ज्येष्ठ मास दो बार पड़ेगा। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार यह खगोलीय संतुलन का स्वाभाविक परिणाम है, जिससे ऋतु चक्र और धार्मिक तिथियों में सामंजस्य बना रहता है।

भगवान विष्णु से जुड़ी पौराणिक कथा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जब इस अतिरिक्त महीने का कोई अधिपति नहीं था, तब भगवान विष्णु ने इसे अपना नाम 'पुरुषोत्तम' देकर इसे पवित्र बना दिया। इसी कारण इसे पुरुषोत्तम मास भी कहा जाता है। कथाओं में यह भी उल्लेख मिलता है कि हिरण्यकश्यप को वरदान प्राप्त था कि वह वर्ष के 12 महीनों में नहीं मारा जा सकेगा। भगवान विष्णु ने 13वें महीने की सृष्टि कर अधर्म का अंत किया। इस कारण अधिक मास को धर्म की स्थापना और नकारात्मकता के विनाश का प्रतीक माना जाता है। धार्मिक विद्वानों के अनुसार अधिक मास में भगवान विष्णु की उपासना, श्रीमद्भागवत, गीता या अधिक मास महात्म्य का पाठ विशेष फलदायी माना जाता है। यह समय सांसारिक भागदौड़ से अलग होकर आत्मचिंतन और आध्यात्मिक उन्नति का अवसर देता है।

न्यूज इन शॉर्ट

एक दिवसीय रोजगार मेले में 68 अभ्यर्थी चयनित

शहडोल। शासकीय संभागीय आईटीआई शहडोल, रीवा रोड, सोहागपुर, शहडोल में एक दिवसीय युवा संगम (रोजगार एवं अप्रेंटिसशिप मेले) का आयोजन किया गया है। मेले में कुल 72 आवेदकों के द्वारा पंजीयन कराया गया जिसमें विभिन्न कंपनियों द्वारा कुल 68 आवेदकों का चयन किया गया।

ग्राम करकटी में आयोजित शिविर में विभिन्न योजनाओ के हितग्राहियो को मिला लाभ

शहडोल। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में शहडोल जिले के ग्राम पंचायतो में संकल्प से समाधान अभियान प्रगति पर है। संकल्प से समाधान अभियान के तहत मैदानी अधिकारियों द्वारा कलस्टर स्तर पर शिविर लगाकर लोगों की समस्या सुनी जा रही है। इन शिविरो के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं के लाभ लेने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इसी अनुक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री मुद्रिका सिंह की उपस्थिति में जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत करकटी सेक्टर में संकल्प समाधान अभियान अंतर्गत शिविर का आयोजन किया गया। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने शिविर में आए लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना, आयुष्मान कार्ड के तहत 5 लाख रुपए तक का निःशुल्क उपचार, महिलाओं की सशक्तिकरण के लिए मध्य प्रदेश आजीविका मिशन द्वारा संचालित स्व.सहायता समूह की गतिविधियों सहित अन्य विभागीय योजनाओं की जानकारी दी एवं योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित शिविर में ग्राम पंचायत छिरहटी निवासी बद्री प्रसाद गुप्ता एवं उनकी पत्नी नोहरी गुप्ता को वृद्धा पेंशन हेतु स्वीकृति पत्र प्रदान किया।

संवैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर प्रश्न, दिल्ली शराब नीति मामला और न्यायालय का निर्णय

शहडोल। वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप तिवारी ने जारी एक बयान में कहा है कि भारत में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय जैसी एजेंसियाँ कानून के शासन की महत्वपूर्ण आधारशिला हैं। इनकी निष्पक्षता लोकतंत्र में जनता के विश्वास से जुड़ी होती है, दिल्ली सरकार की 2021-22 आबकारी नीति को लेकर लगाए गए आरोपों में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित कई लोगों के विरुद्ध जाँच प्रारंभ की गई थी, इस प्रकरण को व्यापक रूप से फ्रदिल्ली शराब नीति मामलाफ्र कहा गया और इसे भ्रष्टाचार के बड़े उदाहरण के रूप में प्रस्तुत किया गया। किन्तु राउज एवेन्यू कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा कि प्रस्तुत साक्ष्य आरोप तय करने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। न्यायालय ने पाया कि अभियोजन पक्ष आधार स्थापित करने में असफल रहा। परिणामस्वरूप संबंधित आरोपियों को राहत प्रदान की गई। यह निर्णय केवल एक आपराधिक मुकदमे का निष्कर्ष नहीं है, बल्कि यह एक गंभीर संस्थागत प्रश्न भी खड़ा करता है—क्या जाँच एजेंसियों की कार्रवाई पूर्णतः साक्ष्य-आधारित और निष्पक्ष है, या फिर कहीं न कहीं राजनीतिक संदर्भ उसका प्रभाव

बड़ी कार्रवाई की आहट

बसों के अस्थायी परमिट के नाम पर बड़ा खेल, आरटीओ पर गिरी कमिश्नर की गाज

मोटर वाहन मालिकों का आरोप बिना सेटिंग नहीं चलता काम, बिना अनुमति के छुट्टी पर चली जाती हैं मैडम

जब से प्रभारी आरटीओ अनपा खान ने शहडोल की कुर्सी संभाली है तब से परिवहन कार्यालय की कार्यप्रणाली लगातार सवालों के घेरे में रही है। संभाग आयुक्त द्वारा शासन को भेजे गए पत्र में जिन गंभीर अनियमितताओं और आदेशों की अनदेखी का उल्लेख किया गया है, उसने प्रशासनिक महकमे में हलचल मचा दी है। आरोप हैं कि अस्थायी अनुज्ञा पत्रों के निर्गमन में नियमों की अनदेखी की गई और उच्चाधिकारियों के निर्देशों के बावजूद आवश्यक जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई।

मामला केवल विभागीय दायरे तक सीमित नहीं रहा। हाल ही में विधानसभा में भी विधायकों ने आरटीओ की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए सरकार से जवाब मांगा है।

प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि यदि लगाए गए आरोप प्रमाणित होते हैं तो यह प्रकरण गंभीर अनुशासनात्मक कार्रवाई का आधार बन सकता है। कमिश्नर द्वारा शासन को भेजे गए पत्र के बाद प्रशासनिक हलकों में यह माना जा रहा है कि मामले में शीघ्र ही उच्चस्तरीय कार्रवाई हो सकती है। सूत्रों के अनुसार यदि प्रारंभिक आरोपों की पुष्टि होती है, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी विभागीय कार्रवाई, यहां तक कि निलंबन जैसी कार्यवाही भी संभव मानी जा रही है। अब निगाहें शासन के अगले कदम पर टिकी हैं।

राहुल मिश्रा, विजय मत, शहडोल

आरटीओ कार्यालय में अस्थायी अनुज्ञा पत्र (टेंपरेरी परमिट) जारी करने के नाम पर गंभीर अनियमितताओं का मामला सामने आया है। संभाग आयुक्त द्वारा शासन को भेजे गए पत्र में स्पष्ट उल्लेख किया गया है कि प्रभारी आरटीओ द्वारा नियमों की अनदेखी करते हुए यात्री बसों के अस्थायी परमिट जारी किए जा रहे हैं, जबकि नियमानुसार स्थायी परमिट जारी किया जाना आवश्यक है।

विजय मत लगातार शहडोल

राज्य परिवहन प्राधिकरण एवं प्रादेशिक परिवहन प्राधिकरण के सचिव द्वारा 24 अगस्त 2025 को जारी आदेश में स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि अस्थायी अनुज्ञा पत्र जारी करने से पूर्व अनिवार्य सावधानी बरती जाए और नियमानुसार ही स्थायी परमिट की प्रक्रिया अपनाई जाए। इसके बावजूद आरटीओ कार्यालय में नियमों को दरकिनार कर कार्यवाही जारी रही।

संभाग आयुक्त द्वारा दो माह में जारी किए गए अस्थायी परमिटों की जानकारी मांगे जाने पर भी संबंधित अधिकारी द्वारा विवरण उपलब्ध नहीं कराया गया। इसे आदेशों की अवहेलना माना गया है।

आयुक्त ने इसे गंभीर प्रशासनिक लापरवाही मानते हुए परिवहन सचिव को पत्र लिखकर कठोर कार्रवाई एवं निलंबन की अनुशंसा की है। कमिश्नर ने गत दिवस अपने कार्यालय बुलाकर आरटीओ को जमकर इस बात पर फटकार लगाई कि वे निरन्तर मनमानी कर रही हैं।

पत्र में यह भी उल्लेख है कि स्थायी अनुज्ञा पत्र से संबंधित फाइलें बिना विधिवत परीक्षण के प्रस्तुत की जा रही हैं, जिनमें आवश्यक प्रमाण पत्रों पर हस्ताक्षर तक नहीं पाए गए। साथ ही मोटर वाहन मालिकों से अवैध वसूली की शिकायतें भी लगातार प्राप्त हो रही हैं।

कार्यालयीन कार्य दिवसों पर सक्षम स्वीकृति के बिना मुख्यालय से अनुपस्थित रहने के आरोप भी लगाए गए हैं, जिससे वाहनों की फिटनेस, ड्राइविंग लाइसेंस और अन्य आवश्यक कार्य अनावश्यक रूप से लंबित हो रहे हैं।

प्रशासनिक गलियारों में इस कार्रवाई को बड़ी चेतावनी माना जा रहा है।

अब देखना यह होगा कि शासन स्तर पर इस मामले में क्या कदम उठाए जाते हैं। इस संबंध में जब क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्रीमती अनपा खान को फोन लगाकर विजयमत द्वारा उनका पक्ष लेने का प्रयास किया गया तो उन्होंने फोन नहीं उठाया।

प्रदूषण विभाग की अनदेखीः चोरी के कोयले से धधक रहे ईंट भट्टे

नदी-तालाबों का दोहन, मोटरों से खींचा जा रहा पानी

विजय मत, शहडोल

जिले के कोयलांचल क्षेत्र में अवैध ईंट भट्टों का कारोबार तेजी से फैलता जा रहा है। धनपुरी, बुढार, वकहो और आसपास के ग्रामों में कालरी खदानों के समीप दर्जनों की संख्या में ईंट भट्टे संचालित हो रहे हैं। इन भट्टों में खुलेआम चोरी के कोयले का इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि संबंधित विभागों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। विशेष रूप से प्रदूषण नियंत्रण की जिम्मेदारी संभालने वाले विभाग की भूमिका पर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह सब जिम्मेदार अधिकारियों की मौन स्वीकृति के बिना संभव नहीं है।

चोरी के कोयले से पक रही ईंटें– क्षेत्र में संचालित अधिकांश भट्टों में ईंट पकाने के लिए चोरी का कोयला धड़ल्ले से उपयोग किया जा रहा है। कालरियों से कोयले की चोरी रोकने के लिए सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं, लेकिन इसके बावजूद कोयला चोरी रुकने का नाम नहीं ले रही। सूत्रों के अनुसार, भट्टा संचालकों और सुरक्षा कर्मियों के बीच सांठगांठ की चर्चा आम है। यही वजह है कि भट्टों तक कोयले की आपूर्ति निर्बाध रूप से हो रही है।

पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि बिना वैध स्वीकृति और प्रदूषण नियंत्रण मानकों का पालन किए संचालित भट्टे वायु गुणवत्ता को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। इसके बावजूद प्रदूषण विभाग की ओर से कोई ठोस निरीक्षण या कार्रवाई सामने नहीं आई है।

नदी–नालों पर पंप लगाकर जल दोहन ईंट निर्माण के लिए बड़ी मात्रा में पानी की आवश्यकता होती है। इसके लिए संचालकों द्वारा नदी, तालाब, नालों और एकत्रित जल स्त्रोतों पर बड़े-बड़े पंप मोटर लगाए गए हैं। मालीघाट और बाबूलाल खेल मैदान के आसपास ऐसे कई पंप देखे जा सकते हैं, जिनसे लगातार पानी खींचा जा रहा है। जल स्त्रोतों के इस अंधाधुंध दोहन से पर्यावरणीय संतुलन पर खतरा मंडरा रहा है। भूजल स्तर गिरने और प्राकृतिक जल स्त्रोतों के सूखने की आशंका भी बढ़ती जा रही है। इसके बावजूद प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े अधिकारी स्थिति का संज्ञान लेते नजर नहीं आ रहे।

इन क्षेत्रों में सर्वाधिक भट्टे सक्रिय– धनपुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत मालीघाट के आसपास, कालरी नंबर-1 क्षेत्र में बड़ी संख्या में ईंट भट्टों का संचालन हो रहा है। इन स्थानों पर दिन-रात भट्टे धधकते नजर आते हैं। आसपास के रहवासी धुएं और राख से परेशान हैं।

उपायुक्त जनजातीय ने छात्राओं से किया संवाद

विजय मत, शहडोल

संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग जे.पी. यादव ने माता शबरी आवासीय कन्या शिक्षा परिसर जयसिंहनगर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कन्या शिक्षा परिसर में अध्ययनरत छात्राओ से संवाद कर जीवन को बेहतर बनाने के टिप्स बताए। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में समय का सदुपयोग करना आवश्यक है, यह समय उज्जवल भविष्य की नींव है, इसे मजबूत बनाना होगा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी पढ़ाई मन लगाकर करें, किसी भी स्थिति में घबराएं नहीं। समय का महत्व जानना पहचानना है, और जीवन को सफल बनाने के लिए समय का बेहतर उपयोग करना है। श्री यादव ने कहा की समय महत्वपूर्ण और अमूल्य है, जो समय की कद्र करता है, समय उसे ऊंचाइयों का अवसर प्रदान करता है। समय के सदुपयोग से तकदीर और तस्वीर दोनों बदलती है। यह उम्र जीवन के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। समय लौट कर नहीं आता, इसलिए उसके एक एक पल का सदुपयोग करना है। उन्होंने छात्राओ से संवाद करते हुए कहा कि अनावश्यक रूप से छात्रावास से बाहर न जाए और जब भी अपने घर जाए तो माता-पिता के साथ ही जाएं। संभागीय उपायुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री जे.पी. यादव ने निरीक्षण के दौरान छात्रावास परिसर का निरीक्षण कर मिली कमियो को यथाशीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि छात्रावास में निवासरत छात्राओ को गुणवत्तायुक्त भोजन प्रदान करें एवं समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण भी आयोजित कराना सुनिश्चित करें।

निरीक्षण के दौरान छात्रावास अधीक्षक सोनू सिंह सहित अन्य छात्राएं उपस्थित रहीं।

भूमि संकट में फंसा 48 लाख का होम्यो औषधालय

टेंडर पूरा पर जमीन नहीं, निर्माण कार्य ठप, नए स्थल की तलाश जारी, भूमि आवंटन अटका

विजय मत, शहडोल

शहडोल शहर में प्रस्तावित होम्योपैथिक औषधालय भवन का निर्माण भूमि संकट के कारण ठप पड़ गया है। शासन ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 48 लाख रुपये स्वीकृत किए थे और निर्माण की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड को सौंपी गई थी, लेकिन प्रारंभिक चरण में ही जमीन से जुड़े विवादों और प्रक्रियात्मक अड़चनों ने काम की रफ्तार रोक दी। परिणामस्वरूप, स्वास्थ्य सुविधा से जुड़ी यह बहुप्रतीक्षित योजना फिलहाल अधर में लटकी हुई है।

अतिक्रमण और औपचारिकताओं में उलझी प्रक्रिया –प्रारंभ में जिस भूमि का चयन भवन निर्माण के लिए किया गया था, वहां अतिक्रमण पाए जाने से कार्य शुरू नहीं हो सका। अतिक्रमण हटाने और प्रशासनिक स्वीकृतियों की प्रक्रिया में समय लगता गया।

विभागीय स्तर पर पत्राचार और कार्रवाई के कई दौर चले, लेकिन इसी बीच यह तथ्य सामने आया कि संबंधित भूमि निर्माण के लिए पर्याप्त नहीं है। बताया जा रहा है कि आवश्यक रकबा उपलब्ध न होने के कारण निर्माण एजेंसी को आगे बढ़ने की अनुमति नहीं मिल सकी। इससे परियोजना की समय-सीमा लगातार खिसकती चली गई।

टेंडर प्रक्रिया पूरी, फिर भी काम शुरू नहीं –परियोजना के लिए टेंडर प्रक्रिया करीब तीन माह पहले पूरी कर ली गई थी। निर्माण एजेंसी काम शुरू करने के लिए तैयार है, लेकिन जमीन की अनुपलब्धता सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। आयुष विभाग के पास भवन निर्माण के अनुरूप पर्याप्त भूमि नहीं होने से स्थिति जटिल हो गई है। स्वीकृत बजट होने और प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद, जमीन न मिलने से पूरा प्रोजेक्ट ठहर गया है।

कोटमा मार्ग पर नए स्थल की तलाश– विकल्प के तौर पर अब कोटमा मार्ग के समीप नए स्थल का चयन किया गया है। विभाग की ओर से भूमि आवंटन के लिए आवेदन प्रस्तुत कर दिया गया है। प्रशासनिक स्तर पर प्रक्रिया जारी है और अधिकारियों का कहना है कि भूमि आवंटन होते ही निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ कर दिया जाएगा। नए स्थल को लेकर औपचारिकताएं पूरी होने तक निर्माण कार्य की शुरुआत संभव नहीं है।

समर्पण

गरीबों के मसीहा डॉ. मित्तल- छह दशकों से सेवा ही जिनकी पहचान

60 वर्षों की अविरल सेवा-आदिवासी अंचल के टीबी योद्धा डॉ. के.एन. मित्तल

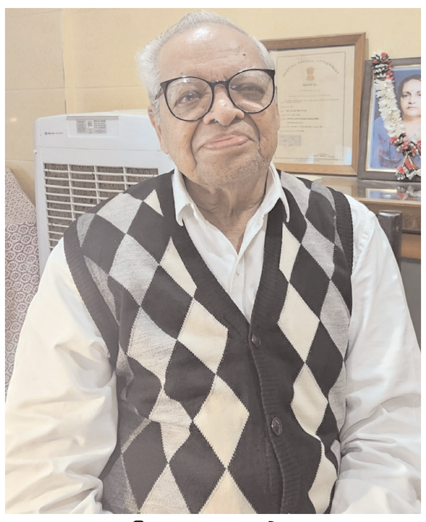

दूर-दूर से आए मरीजों से बातचीत करते हुए लोकप्रिय चिकित्सक डा. केएन मित्तल

विजय मत, शहडोल

छह दशकों से अधिक समय से चिकित्सा सेवा में समर्पित डॉ. के.एन. मित्तल केवल एक डॉक्टर नहीं, बल्कि हजारों मरीजों के लिए उम्मीद और विश्वास का नाम बन चुके हैं। शहडोल संभाग ही नहीं, बल्कि डिंडौरी, बालाघाट, सिवनी, कटनी, रीवा संभाग सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों और अन्य राज्यों से भी लोग आज उनके पास उपचार के लिए पहुंचते हैं। उनकी पहचान केवल एक टीबी विशेषज्ञ के रूप में नहीं, बल्कि सेवा-भाव से ओतप्रोत चिकित्सक के रूप में है।

डॉ. मित्तल का मानना है कि चिकित्सा केवल पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। यदि कोई गरीब मरीज दूर दराज से थका-हारा उनके पास पहुंचता है तो वे पहले उसकी भूख और थकान का ख्याल रखते हैं जरूरत पड़ने पर उसे भोजन तक कराते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को वे निःशुल्क दवाएं उपलब्ध कराते हैं और पूरी संवेदनशीलता के साथ उपचार करते हैं।

उनकी इसी मानवीय संवेदना, सरलता और समर्पण ने उन्हें क्षेत्र ही नहीं, बल्कि प्रदेशभर में सम्मान और विश्वास का प्रतीक बना दिया है।

शहडोल संभाग के वरिष्ठ चिकित्सक एवं टीबी रोग विशेषज्ञ डॉ. के.एन. मित्तल ने आदिवासी अंचल में निरंतर 60 वर्षों तक चिकित्सा सेवा देकर एक मिसाल कायम की है। वर्ष 1965 में भोपाल के गांधी मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करने के बाद उन्होंने शासकीय सेवा में अपना कैरियर प्रारंभ किया और 28 फरवरी 1966 को जिला चिकित्सालय शहडोल में पदभार ग्रहण किया।

उस समय जिला चिकित्सालय में चिकित्सकों की संख्या अत्यंत सीमित थी। सिविल सर्जन एवं जिला स्वास्थ्य अधिकारी को छोड़कर मात्र तीन चिकित्सकों के भरोसे अस्पताल के सभी विभाग संचालित होते थे। ओपीडी, भर्ती मरीजों की देखरेख, ऑपरेशन थिएटर में सहयोग, पोस्टमार्टम से लेकर रात्रि में गंभीर मरीजों के उपचार तक–हर जिम्मेदारी डॉ. मित्तल ने पूरी निष्ठा से निभाई।

लगातार पांच वर्षों तक विभिन्न विभागों में सेवाएं देने के बाद उनका चयन टीबी विषय में उच्च अध्ययन हेतु किया गया और उन्हें मेडिकल कॉलेज इंदौर भेजा गया। वर्ष 1972 में पीजी पूर्ण करने के पश्चात उनकी पदस्थापना जिला क्षय अधिकारी के रूप में हुई। रोग की विशेष दक्षता हासिल करने के बाद 1973 में उन्हें तीन माह के विशेष प्रशिक्षण हेतु बेंगलुरु भी भेजा गया।

डॉ. मित्तल ने न केवल अस्पतालों में उपचार किया, बल्कि ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों में जाकर लोगों को टीबी के प्रति जागरूक किया। उन्होंने पाया कि अधिकांश लोग बीमारी को अंधविश्वास या झाड़-फूंक से जोड़ते हैं और समय पर उपचार नहीं कराते। उन्होंने गांव-गांव जाकर संवाद स्थापित किया, लोगों को छह माह तक नियमित दवा सेवन के महत्व को समझाया और क्षय उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयास किए।

अपने सेवाकाल के दौरान उन्हें वर्ष 1985 में टीबी अस्पताल नौगांव (जिला छतरपुर) के अधीक्षक पद पर पदोन्नति का प्रस्ताव मिला, किंतु उन्होंने इसे अस्वीकार कर दिया। उनका मानना था कि कार्यालय में बैठकर फाइलों तक सीमित हो जाना उनके जीवन का उद्देश्य नहीं है। उन्होंने शहडोल को ही अपनी कर्मभूमि मानते हुए अंतिम सांस तक इसी अंचल की सेवा का संकल्प लिया।

वर्ष 1997 में शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के पश्चात भी उनकी सेवा भावना में कमी नहीं आई। आज भी वे उतनी ही ऊर्जा और समर्पण के साथ मरीजों का उपचार कर रहे हैं। छह दशकों की इस सतत सेवा के कारण उन्हें लोगों का आशीर्वाद और विश्वास आज भी उतना ही प्राप्त है, जितना सेवाकाल में था।

डॉ. मित्तल का जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्ची सेवा पद या प्रतिष्ठा से नहीं, बल्कि समर्पण, संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा से पहचानी जाती है। शहडोल अंचल में उनका नाम आज भी सम्मान और विश्वास का पर्याय बना हुआ है। मरीजों ने विजयमत से बातचीतकरते हुए कहा कि हमें डाक्टर मित्तल पर इतना भरोसा और विश्वास है कि हम दूर-दूर से यहां आते हैं और स्वास्थ्य होकर वापस जाते हैं।

बिना चबूतरा निर्माण के आहरित की धन राशि, ग्राम पंचायत बिछिया में बह रही भष्ट्राचार की गंगा

उमरिया। उमरिया जिले के करकेली जनपद पंचायत की दुरांचल में स्थित ग्राम पंचायत बिछ्िया भष्ट्राचार का अखाड़ा बनकर रह गया है। इस ग्राम पंचायत में घटिया निर्माण कार्यों का पुराना इतिहास तो पहले से ही जग जाहिर बना हुआ है ही उन कार्यों में प्रशासनिक अधिकारियों की संलिप्तता से ग्राम पंचायत के सरपंच और सचिव इतने बेशरम में बन चुकें है की अब बिना निर्माण कार्य किये बिना ही शासकीय धन राशि को आहरित कर हजम करने का खेल जारी है। विदित होवे की बिछ्िया ग्राम पंचायत में ठाकुर देव के पास चबूतरा निर्माण के लिए 02 अक्टूबर 2025 को 1.78.000 (एक लाख अठहत्तर हजार) रूपये की लागत से पांचवे वित्त योजना से प्राप्त राशि से स्वीकृत किया गया था, जो कार्य शुरू नहीं किया गया, लेकिन कार्य के लिये स्वीकृत राशि को फर्जी देयको के आधार पर आहरित किया गया है, जो देयक लगाये गये हैं, उनमें श्री राम टेडर्स का राड और सीमेंट का देयक बिना नंबर के 25-1-26 का पांच क्विंटल राड का 5500.00 रूपये की दर से 27500.00और सीमेंट 103 बोरी दर 300.00 के मान से 31500.00 कुल राशि 59000.00 की आहरित की गयी है, इसी तरह सेंटरिंग के नाम पर माँ बिरासनी टेडर्स सुन्दर दादर तिवनी का 20100.00 रूपये का बिल 23-2-26 को आहरित कर लिया गया है। जानकार सूत्रों का कहना है की माँ टेडर्स सुन्दर दादर में सेंटिंग की कोई दूकान संचालित नही है, फिर भी ऐरे गैरे नत्थू खैरो के नाम पर फर्जी बिल लगाकर शासकीय धन राशि को हजम किया जा रहा है। इस तरह बिना चबूतरा निर्माण कार्य के ही शासकीय धन राशि की होली खेली जा रही है। बिछ्िया ग्राम पंचायत का यह कोई पहला मामला सामने नहीं आया है, इस तरह दर्जनों निर्माण कार्यों के नाम पर शासकीय धन राशि आहरित कर सरपंच सचिव हजम करने में जुटे हुए हैं। यह धांधली न सिर्फ ग्राम पंचायत की कार्य ऐजेन्सी कर रही है, इसमें उपयंत्री की संलिप्तता भी बनी हुई है। विदित होवे की यहाँ पर वही उपयंत्री पदस्थ है जो की इसके पहले पाली जनपद पंचायत में पदस्थ रहते हुए लंबी शासकीय धन राशि की चपत लगायी है और जिसका दंश वहा के रोजगार सहायक को आज भी निलंबन के रूप में भुगतना पड़ रहा है। ध्यान देने योग्य है की उमरिया जिले में इस तरह के फर्जी वाडे ग्राम पंचायतों में खूब फल फूल रहे हैं, जिनमें इन पंचायतों के उपयंत्री की सग्गाममित्ती बनी रहती है।

न्यूज इन शॉर्ट

इंशयोरेसं कपंनी की महिला अधिकारी की चैन लूटने वाला गिरफ्तार, माल जप्त

विजय मत, भोपाल। राजधानी की थाना एमपीनगर पुलिस ने चैन लूट की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर उसके पास से लूटा गया माल बरामद कर लिया है। पुलिस ने बताया की बीती 20 फरवरी 26 को पीड़िता सुषमा तिवारी ने रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया की वह एमपी नगर स्थित निजी इंश्योरेंस कंपनी के ऑफिस में नौकरी करती है। वह अपनी कार खड़ी करके जैसे ही ऑफिस जाने के लिये आगे बढी तभी एक अज्ञात युवक तेजी से भागकर आया और उनके गले में पहनी हुई सोने की चेन झपट कर आरबीआई बैंक की तरफ भाग गया। मामला दर्ज कर पुलिस ने उसका सुराग जुटाने के लिये आसपास लगे सीसीटीवी कैमरो के फुटेज खंगाले और आखिरकार आरोपी रेहान खॉन पिता मकसूद (19) निवासी झुग्गी बस्ती अर्जुन नगर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उससे लूटा गया 2 लाख का माल जप्त किया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व से पॉच अपराधिक प्रकरण दर्ज है, पुलिस उससे अन्य वारदातो के संबध में पूछताछ कर रही है।

जानवरों की तरह ठूंसकर भरे कैदी, हालात भयावह

विजय मत, भोपाल। मध्य प्रदेश की जेलों में क्षमता से 35 फीसदी ज्यादा कैदी बंद हैं। मध्य प्रदेश की 133 जेलों में करीबन 42 हजार 119 बंदी कैद हैं। इनमें से 52.85 फीसदी कैदी ऐसे हैं, जिनको अभी तक सजा नहीं सुनाई जा सकी है और ये विचाराधीन कैदी के रूप में जेलों में कैद हैं। मध्य प्रदेश की जेलों में एक अप्रेल 2020 से लेकर पिछले 7 महीनों में 715 कैदियों की मौत हुई है। इनमें 36 कैदियों ने खुद जान दी है। विधानसभा में एक सवाल के लिखित जवाब में सरकार ने यह जानकारी दी है। सरकार ने बताया कि प्रदेश में 11 नई जेलें बनाई जा रही हैं। मध्यप्रदेश की जेलों में कुल आवास क्षमता 24 हजार 895 है, लेकिन प्रदेश भर की जेलों में अभी 37 हजार 994 बंदी हैं। यानी जेलों में करीबन 13 हजार कैदी क्षमता से अधिक रह रहे हैं। सबसे ज्यादा खराब स्थिति प्रदेश की केन्द्रीय जेलों की है। नर्मदापुरम के दोनों खंडों को मिलाकर कुल 11 केन्द्रीय जेल हैं। इन जेलों में 14 हजार 61 आवास क्षमता है। लेकिन इन जेलों में 22 हजार 239 कैदी बंद हैं। यानी क्षमता से 8 हजार 178 कैदी अधिक सजा काट रहे हैं। इन जेलों में 50 फीसदी से लेकर 150 फीसदी तक अधिक कैदी हैं। क्षमता से सबसे अधिक कैदी रीवा केन्द्रीय जेल में हैं। यहां कैदियों की कुल आवास क्षमता 886 है, जबकि यहां 2282 कैदी बंद हैं। यानी क्षमता से 1396 अधिक हैं। इंदौर केन्द्रीय जेल में 1280 की क्षमता है, जबकि इसमें 2191 कैदियों को रखा गया है। यानी 911 कैदी अधिक हैं। भोपाल केन्द्रीय जेल में 2641 कैदियों की आवास क्षमता है, लेकिन इनके मुकाबले 3454 कैदियों को रखा गया है, यानी 813 कैदी अधिक हैं। जबलपुर और ग्वालियर दोनों केन्द्रीय जेल में क्रमशः 275 और 447 अतिरिक्त कैदियों को रखा गया है। इंदौर जिला जेल में 520 की क्षमता, लेकिन 908 कैदी रखे गए हैं। इसी तरह मंदसौर जिला जेल में 380 की क्षमता के मुकाबले 698 कैदियों को रखा गया है। बेढन् में 230 की क्षमता के मुकाबले 498 कैदियों को रखा गया है। मध्य प्रदेश की जेलों में 22 हजार 261 कैदी ऐसे हैं, जिनको अभी तक सजा नहीं सुनाई जा सकी और यह जमानत के अभाव में जेलों में बंद हैं। यह मध्य प्रदेश की जेलों में बंद कुल कैदी का 52.85 प्रतिशत है। इन विचाराधीन कैदियों में 21 हजार 410 पुरुष, जबकि 851 महिला कैदी शामिल हैं। विचाराधीन कैदियों में सबसे ज्यादा संख्या जिला जेलों में है। जिला जेलों में 10 हजार 2 विचाराधीन पुरुष जबकि 516 महिलाएं शामिल हैं। प्रदेश में 73 उपजेल हैं। इन उप जेलों में 5 हजार 356 कैदी अभी विचाराधीन हैं। इसके अलावा केन्द्रीय जेलो में विचाराधीन कैदियों की संख्या करीनब 6 हजार 300 है।

वृध्द दादी से बातचीत के बाद पोते ने लगाई फांसी

विजय मत, भोपाल। नये शहर के शाहपुरा थाना इलाके में स्थित बारह नंबर मल्टी में एक युवक ने मंगलवार-बुधवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया गया है कि युवक काम के बाद देर रात घर लौटा इसके बाद उसने 85 साल की दादी से बातचीत की और कुछ देर टीवी देखता रहा। उसके बाद अपने कमरे में चला गया। अगली सुबह पिता काम से घर लौटे तो उन्हें बेटे का शरीर फंदे पर लटका नजर आया। शुरुआती जॉच में पुलिस को सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक 12 नंबर मल्टी शाहपुरा निवासी राकेश कनाडे पुत्र रमेश कनाडे (33) प्राइवेट काम करता था। उसके परिवार में पिता, बड़ा भाई और दादी है। मां का बचपन में ही देहांत हो चुका है। राकेश का बड़ा भाई इंदौर में रहता है। पिता रमेश कनाडे ने पुलिस को बताया कि वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करते हैं। आरजीपीवी कॉलेज में उनकी नाइट ड्यूटी रहती है। मंगलवार रात वह घर से ड्यूटी चले गए थे।

मार्च के पहले सप्ताह में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज

आंधी-ओलों के बाद बढ़ी गर्मी, कई शहरों में पारा 35 डिग्री के पार

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश में फरवरी के अंतिम सप्ताह में मौसम ने एक बार फिर तीखा बदलाव दिखाया है। हालिया आंधी, बारिश और ओलावृष्टि का दौर थमते ही प्रदेश के अनेक हिस्सों में अप्रैल जैसी गर्मी महसूस की जाने लगी है। कई शहरों में दिन का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है, जबकि रात के तापमान में अभी भी उतार-चढ़ाव बना हुआ है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार शुक्रवार को भोपाल में अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इंदौर में 32.1 डिग्री, ग्वालियर में 31.6 डिग्री, उज्जैन में 32 डिग्री और जबलपुर में 30.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड हुआ। खंडवा और खरगोन में पारा 36.2 डिग्री तक पहुंच गया, जो सामान्य से अधिक है। प्रदेश के 30 से ज्यादा जिलों में अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर बना हुआ है। मौसम के इस अचानक बदलाव ने लोगों को चौंका दिया है। कुछ दिन पहले तक जहां बादल, ठंडी हवाएं और ओले गिर रहे थे, वहीं अब दोपहर में तेज धूप और गर्म हवाएं महसूस की जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि साफ आसमान और पश्चिमी विक्षोभ की अनुपस्थिति के कारण तापमान में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

2 मार्च से फिर बदलेगा मौसम

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 2 मार्च से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होने की संभावना है। इसका आंशिक प्रभाव मध्यप्रदेश के उत्तरी हिस्सों में देखने को मिल सकता है, जहां हल्की बारिश या बादल छाने के आसार हैं। फिलहाल अगले कुछ दिनों तक मौसम साफ रहने और दिन के तापमान में धीरे-धीरे और वृद्धि होने की संभावना जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि फरवरी के अंत में इस तरह की गर्मी सामान्य नहीं मानी जाती, लेकिन लगातार बदलते मौसम तंत्र और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से ऐसे उतार-चढ़ाव बढ़ रहे हैं। किसानों के लिए यह स्थिति चिंता का विषय है, क्योंकि पहले ओलावृष्टि और अब बढ़ती गर्मी फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन को प्रभावित कर सकती है। आम नागरिकों को भी सुबह-शाम के तापमान अंतर को देखते हुए स्वास्थ्य संबंधी सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

फरवरी में चार बार बदला मौसम

इस वर्ष फरवरी महीने में मौसम ने चार अलग-अलग चरणों में करवट बदली। महीने की शुरुआत में दो बार ओलावृष्टि और बारिश हुई, जिससे फसलों को नुकसान पहुंचा। 18 फरवरी के बाद तीसरे दौर में फिर बादल छाए और कई जिलों में बारिश दर्ज की गई। 23-24 फरवरी को चौथे चरण में तेज आंधी, बारिश और ओलों का असर दिखा। 24-25 फरवरी को सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन और टर्फ के कारण 20 से अधिक जिलों में तेज हवाएं और वर्षा हुई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि बार-बार सक्रिय हो रहे सिस्टम के कारण तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहा।

दिन में गर्मी, रात में ठंड का असर

दिन के समय तेज धूप के बावजूद रात का मिजाज अलग बना हुआ है। कटनी जिले के करौंदी में न्यूनतम तापमान 8.8 डिग्री और शहडोल के कल्याणपुर में 9.4 डिग्री दर्ज किया गया। पचमढ़ी में भी रात का तापमान 9.8 डिग्री रहा। इसके विपरीत भोपाल में 15 डिग्री, इंदौर में 14.6 डिग्री, ग्वालियर और उज्जैन में 14.5 डिग्री तथा जबलपुर में 14.6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। धार में रात का तापमान सबसे अधिक 17.7 डिग्री रहा। रतलाम, नरसिंहपुर, सागर, टीकमगढ़ और नर्मदापुरम में भी न्यूनतम तापमान 16 डिग्री से ऊपर बना रहा। इस प्रकार दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर देखने को मिल रहा है, जिससे मौसमी बीमारियों की आशंका भी बढ़ गई है।

मोदी द्वारा इजराइल को 'पितृ भूमि' बताना भारत माता की अवधारणा को कमजोर करने वाला अनुचित कदम हैः डॉ. विक्रम चौधरी

विजय मत, भोपाल

कांग्रेस पार्टी के प्रवक्ता डॉ. विक्रम चौधरी ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इजराइल को पितृ भूमि बताए जाने की कड़ी निंदा की है। डॉ. चौधरी ने कहा कि यह बयान न केवल भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों का अपमान है, बल्कि एक घोर आपत्तिजनक और असंवैधानिक कदम है जो भारत की संप्रभुता और ऐतिहासिक परंपराओं को कमजोर करता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारतीय संविधान और सांस्कृतिक विरासत में पितृ भूमि जैसी कोई अवधारणा वैध नहीं है, और इसे किसी विदेशी राष्ट्र के लिए इस्तेमाल करना भारत माता की अवधारणा का प्रत्यक्ष उल्लंघन है। इस बयान से मोदी ने भारत माता की अवधारणा को कमजोर किया है, जो स्वतंत्रता संग्राम से लेकर आज तक भारतीय राष्ट्रवाद की आधारशिला रही है। डॉ. चौधरी ने अपने बयान में भगवान राम के उदाहरण का हवाला देते हुए कहा, जहां भगवान राम ने मातृभूमि को स्वर्ग से भी बढ़कर बताया है, वहां पितृ भूमि के सिद्धांत को स्थापित करना न केवल अनुचित है, बल्कि एक सोची-समझी साजिश है। यह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा खुद को Epstein Files से बचाने की

चिरौरी है, जो भारतीय राजनीति का घोर पतन दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह कदम भारतीय संस्कृति की महान परंपराओं को पतित करने का कुत्सित प्रयास है, जिससे मोदी ने भारत की गरिमा को धूमिल किया है। डॉ. चौधरी ने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक उदाहरणों का जिक्र करते हुए भाजपा की राष्ट्रवादी राजनीति में यू-टर्न को उजागर किया। उन्होंने कहा कि भारतीय इतिहास में भारत माता की अवधारणा स्वतंत्रता संग्राम की देन है, जहां बैंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के वंदे मातरम ने राष्ट्र को मां के रूप में स्थापित किया। महात्मा गांधी और सुभाष चंद्र बोस जैसे नेताओं ने इसी अवधारणा को मजबूत किया, जहां मातृभूमि की रक्षा सर्वोपरि थी।

एसआईआर अभियान के बाद भी गड़बड़ी

छोटे मकानों में दर्ज सैकड़ों मतदाता, नरेला की सूची पर उठ रहे सवाल

विजय मत, भोपाल

केंद्रीय चुनाव आयोग के सख्त निर्देशों और विशेष मतदाता सूची शुद्धिकरण अभियान एसआईआर के बावजूद शहर की मतदाता सूचियों में गंभीर खामियां सामने आई हैं। नरेला विधानसभा क्षेत्र में ऐसे कई मामले उजागर हुए हैं, जहां छोटे-छोटे मकानों में असामान्य रूप से बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम दर्ज पाए गए हैं। इस खुलासे के बाद प्रशासनिक कार्रवाई और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 75 के बूथ क्रमांक 63 में 1500 वर्गफीट के एक मकान में 37 मतदाताओं के नाम दर्ज हैं। इसी बूथ पर स्थित मकान नंबर 10, जिसका क्षेत्रफल लगभग 800 वर्गफीट बताया गया है, वहां 36 मतदाता

सूचीबद्ध हैं। सबसे चौंकाने वाला मामला मकान नंबर 21 का है, जहां महज 600 वर्गफीट के छोटे से घर में 43 मतदाताओं के नाम दर्ज पाए गए।

चुनावी पारदर्शिता पर प्रश्न

मतदाता सूची में इस प्रकार की गड़बड़ी चुनावी अखंडता के लिए चुनौती मानी जा रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मतदाता सूची लोकतांत्रिक प्रक्रिया की बुनियाद होती है और इसमें त्रुटियां या फर्जी प्रविष्टियां स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव की अवधारणा को कमजोर करती हैं। चुनाव आयोग और जिला प्रशासन के सामने अब यह चुनौती है कि वे प्रत्येक प्रविष्टि का भौतिक सत्यापन कर यह सुनिश्चित करें कि कोई भी नाम गलत पते पर या एक से अधिक बार दर्ज न हो।

कांग्रेस ने उठाए प्रशासन पर सवाल

मामले के सामने आने के बाद कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला अपने कार्यकर्ताओं के साथ करौंद क्षेत्र में मौके पर पहुंचे और मतदाता सूची की प्रतियों का मिलान किया। उन्होंने जिला निर्वाचन अधिकारी और केंद्रीय चुनाव आयोग से तत्काल हस्तक्षेप कर विस्तृत जांच की मांग की है। शुक्ला का कहना है कि जब विशेष शुद्धिकरण अभियान चलाया जा चुका है, तब भी यदि इतनी बड़ी विसंगतियां बनी हुई हैं तो यह प्रशासनिक लापरवाही का गंभीर संकेत है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया की विश्वसनीयता प्रभावित होगी।

छात्राएं बोलीं- 'गोद में बैठाते हैंज्अंडरगारमेंट्स में हाथ डालते हैं'

छतरपुर में सरकारी प्राइमरी स्कूल का टीचर पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार

विजय मत,छतरपुर

गांववालों की शिकायत पर सरकारी टीचर को पॉक्सो एक्ट में गिरफ्तार कर लिया गया है। छतरपुर के एक सरकारी प्राइमरी स्कूल में 6 से ज्यादा छात्राओं से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि गुरुवार दोपहर ये छात्राएं रोती हुई घर लौटीं।

परिजनों से कहा- क्लास में शिक्षक उनके साथ बहुत ही गंदी हरकत करते हैं। मास्टर जी गोद में बिठाते हैं। अंडरगारमेंट्स में हाथ डालते हैं। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर आरोपी टीचर संजीव चतुर्वेदी के खिलाफ पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों का कहना है कि इस तरह की शिकायतें पहले भी सामने आई थीं, लेकिन इस बार छात्राओं की मानसिक स्थिति और डर को देखकर मामला गंभीर लगा। परिवारों ने तय किया कि वे सीधे स्कूल जाकर शिक्षक से बात करेंगे। गुरुवार दोपहर गांव के कई परिजन स्कूल पहुंचे और शिक्षक से जवाब मांगा। माहौल धीरे-धीरे तनावपूर्ण हो गया।

शिक्षक बोला- मिड-डे मील का विवाद

पुलिस पूछताछ में शिक्षक संजीव चतुर्वेदी ने अपने ऊपर लगे आरोपों को निराधार बताया। उनका कहना है कि स्कूल में मिड-डे मील बनाने को लेकर कुछ स्थानीय लोगों से उनका विवाद चल रहा है। उन्होंने दावा किया कि इसी विवाद के चलते उन्हें साजिशन फंसाया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच अभी शुरुआती चरण में है। टीचर की उम्र 52 साल है। वह स्कूल में वर्ष 2019 से पदस्थ हैं। अभी एक बच्ची की मां की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है।

अब तक 5-6 युवतियो को गलत कामों में धकेल चुकी है अमरीन-आफरीन

लिवइन पार्टनर ब्वॉयफेंड और एक आरोपिया को पुलिस अहमदाबाद लेकर हुई रवाना

विजय मत, भोपाल

बागसेवनिया थाना क्षेत्र में सामने आए धर्मांतरण, प्रेमजाल और ब्लैकमेलिंग से जुड़े कथित संगठित गिरोह मामले की जांच में नए खुलासे हुए हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आरोपी बहनें आफरीन और अमरीन घर के कामकाज के बहाने हिंदू युवतियों को अपने जाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाकर देह व्यापार के लिए मजबूर करती थी। मामले में पुलिस ने 01 मार्च तक पुलिस रिमांड पर चल रही अमरीन और चंदन यादव को अहमदाबाद लेकर रवाना किया है। आरोपियों के साथ बहनें अमरीन और आफरीन भी शामिल थीं, जो उनका साथ दे रहीं थीं। बाग सेवनिया पुलिस ने एक युवती और एक महिला की शिकायत पर दुष्कर्म और धर्म परिवर्तन के आरोप में मामला दर्ज किया है। जांच में पता चला है, कि अमरीन और आफरीन अपने साथियों के साथ मिलकर हिंदू युवतियों से दोस्ती करती थीं, जिन्हें काम की आवश्यकता होती थी। इसके बाद उन्हें घर के कामकाज के बहाने रखा जाता और क्लब पार्टियों में ले जाकर युवकों से दोस्ती कराई जाती। बाद में उनसे गलत काम कराया जाता था। पांच-छह युवतियों के नाम सामने आए हैं, जिन्हें देह व्यापार में धकेला गया। पुलिस अब यासिन, बिलाल और संजना उर्फ जन्नत नाम की युवती की तलाश कर रही है।

मोबाइल से खुलेगें कई राज

पुलिस ने अमरीन और उसकी बहन आफरीन के नेतृत्व वाले गिरोह की जांच तेज कर दी है। आरोप है कि रायसेन निवासी चंदन यादव और अहमदाबाद निवासी यासिन घी वाला समेत अन्य लोग युवतियों को दोस्ती और धमकी के जरिए धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। कई युवतियों के साथ जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाने के भी आरोप हैं। दोनों बहनों के मोबाइल डेटा रिकवर करने साइबर क्राइम भेजे हैं। जिसके बाद कई राज उजागर हो सकते है।

शस्त्र लाइसेंस की प्रक्रिया अब पूरी तरह डिजिटल

अनियमितताओं और गड़बडियों पर लगेगी रोक

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश में अब शस्त्र लाइसेंस लेने के लिए ऑफलाइन आवेदन नहीं लिए जाएंगे। ये केवल ऑनलाइन ही स्वीकार होंगे। सरकार आगामी एक मार्च से शस्त्र लाइसेंस संबंधी नई व्यवस्था लागू करने जा रही है। इसमें किसी व्यक्ति को नया शस्त्र, बंदूक अथवा अन्य हथियार लेना है तो भारत सरकार द्वारा बनाए पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना अनिवार्य होगा। बिना ऑनलाइन आवेदन के फार्म स्वीकार नहीं होंगे। दरअसल, प्रदेश में जिलों से कारतूस में हेरफेर और लाइसेंस प्रक्रिया में अनियमितताओं की शिकायतें आती रही हैं। नई व्यवस्था लागू होने से इस तरह की गड़बडियों पर रोक लगेगी। आवेदक का पूरा रिकॉर्ड ऑनलाइन सत्यापित किया जा सकेगा, जिससे अयोग्य या नियमों का उल्लंघन करने

वालों की पहचान आसान होगी। न तो व्यक्तिगत सिफारिशों का असर रहेगा और न ही रिकॉर्ड में हेरफेर की गुंजाइश बचेगी।

डिजिटल प्रक्रिया से बढ़ेगी पारदर्शिताः नई प्रणाली से पूरी प्रक्रिया डिजिटल होगी, जिससे पारदर्शिता बढ़ेगी और प्रशासनिक नियंत्रण मजबूत होगा। ऑनलाइन आवेदन पूर्ण करने के बाद आवेदक को एक यूनिक फाइल नंबर प्राप्त होगा। इसी फाइल नंबर के साथ आवेदन का प्रिंटआउट निकालकर निर्धारित प्रक्रिया अनुसार मैन्युअल जमा किया जा सकेगा।

ऑफलाइन आवेदन पूरी तरह से बंद

यदि किसी आवेदक द्वारा पहले ऑनलाइन आवेदन नहीं किया गया है, तो उसका ऑफलाइन फार्म किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। एक मार्च तथा उसके बाद प्राप्त होने वाले सभी आवेदन केवल ऑनलाइन पद्धति से ही मान्य होंगे। इस प्रणाली से नए लाइसेंस आवेदनों की ट्रैकिंग कर लाइसेंस नवीनीकरण और स्पोर्ट्स कोटे के तहत जारी लाइसेंसों की स्थिति की भी निगरानी की जा सकेगी।

होली पर भोपाल में नकली मावे की सबसे बड़ी खेप बरामद, 27 क्विंटल मावा, 45 किलो पनीर जब्त

विजय मत, भोपाल

होली से ठीक पहले राजधानी भोपाल में मिलावट के खिलाफ प्रशासन ने बड़ा शिकंजा कसा है। खजूरी सड़क स्थित टोल प्लाजा के पास घेराबंदी कर एक पिकअप वाहन से भारी मात्रा में संदिग्ध मावा और पनीर जब्त किया। कार्रवाई के दौरान वाहन से करीब 27 क्विंटल मावा बरामद हुआ, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 6 लाख रुपए आंकी गई है। इसके साथ 45 किलो पनीर भी मिला। प्राथमिक जांच में मिलावट की आशंका जताई गई, जिसके आधार पर मावा और पनीर के पांच-पांच नमूने लेकर राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद संबंधित कारोबारियों पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एक महीने में 234 सैंपल

खाद्य सुरक्षा विभाग ने बताया कि पिछले एक माह में शहर के अलग-अलग इलाकों में ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई है। नमकीन, मिठाई, पनीर, खाद्य तेल, मैदा, बेसन सहित विभिन्न खाद्य पदार्थों के कुल 234 नमूने लेकर राज्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। जांच रिपोर्ट मिलते ही दोषियों के खिलाफ जुर्माना, लाइसेंस निलंबन या आपराधिक प्रकरण दर्ज करने जैसी कार्रवाई की जाएगी।

सेहत से खिलवाड़ करने वालों को चेतावनी

प्रशासन ने साफ कर दिया है कि त्योहार के नाम पर आम जनता की सेहत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मिलावटी मावा और नकली दुग्ध उत्पादों की बिक्री करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

त्योहार से पहले सख्ती, सप्लाई चेन पर नजर

दरअसल होली के दौरान मावा, पनीर और मिठाइयों की खपत कई गुना बढ़ जाती है। इसी का फायदा उठाकर मिलावटखोर सक्रिय हो जाते हैं। इस बार प्रशासन ने पहले ही अलर्ट जारी कर सप्लाई चेन पर निगरानी बढ़ा दी है। टोल नाकों और थोक बाजारों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है, ताकि बाहर से आने वाले संदिग्ध खाद्य पदार्थों को शहर में प्रवेश से पहले ही रोका जा सके।

विजय मत एंकर एम्स भोपाल के वैज्ञानिकों की बड़ी शारीरिक खोज

अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित अध्ययन से चिकित्सा जगत में नई दिशा

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल ने चिकित्सा अनुसंधान के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। संस्थान के डॉक्टरों और शोधकर्ताओं ने नाक के पीछे और गले के ऊपरी हिस्से ;नासाग्रसनी क्षेत्र में मौजूद एक खास ग्रंथि की पहचान की है। इतना ही नहीं, उन्होंने उस ग्रंथि से निकलने वाली नलिका डक्ट को भी स्पष्ट रूप से दिखाया है, जिसके बारे में पहले जानकारी उपलब्ध नहीं थी। यह खोज मानव शरीर की संरचना को समझने में एक नया और महत्वपूर्ण कदम है। इस शोध दल में प्रो. सुनीता अरविंद अठावले,प्रो. शीतल कोटगिरवार, प्रो. मनाल एम. खान, प्रो. अंशुल

राय, प्रो. दीप्ति जोशी और प्रो. डॉ. रेखा लालवानी शामिल थीं। टीम ने विस्तृत अध्ययन और सूक्ष्म जांच के माध्यम से इस ग्रंथि की स्थिति, आकार और आसपास के अंगों से उसके संबंध को स्पष्ट किया। विशेष बात यह रही कि पहली बार इस ग्रंथि की निकासी नलिका को भी प्रमाणित किया गया, जिससे यह साबित हुआ कि यह वास्तव में एक स्वतंत्र ग्रंथि है। यह शोध विश्व की प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिका जर्नल ऑफ एनाटॉमी में प्रकाशित हुआ है, जो शरीर रचना विज्ञान के क्षेत्र में बहुत सम्मानित मानी जाती है। इस शोध को विशेषज्ञों द्वारा गहन जांच के बाद स्वीकार किया गया, जिससे इसकी वैज्ञानिक विश्वसनीयता सिद्ध होती है। इस खोज का सीधा लाभ मरीजों को मिलेगा।

इस प्रकार के शोध संस्थान की उत्कृष्ट और बहु.विषयक अनुसंधान क्षमता को दर्शाते हैंः डॉ. माधवानन्द कर

इस उपलब्धि पर कार्यपालक निदेशक एवं सीईओ प्रो. ;डॉ. माधवानन्द कर ने शोध टीम को बधाई दी और कहा कि इस प्रकार के शोध संस्थान की उत्कृष्ट और बहु.विषयक अनुसंधान क्षमता को दर्शाते हैं। यह उपलब्धि इस बात का प्रमाण है कि मानव शरीर के उन हिस्सों में भी,जिनका लंबे समय से अध्ययन किया जा रहा है, नई और महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ सकती हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-01, एमपी नगर, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सीता शुक्ला। प्रधान संपादक- विजय शुक्ला (*समाचार चयन के लिए पी.आरर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार)। सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र शहडोल होगा। आर.एन.आई. क्रमांक- MPHIN/2015/66998, e-mail vijaymat.sdl@gmail.com। मोबाइल- +91 88899 77997

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

बेटियों की सुरक्षा का प्रश्न और समाज की सामूहिक चेतना

सुरेन्द्र शर्मा

> मध्यप्रदेश के आंकड़े बताते हैं कि 2020 से 2026 के बीच महिलाओं और बच्चियों के लापता होने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि दर्ज हुई है। 2020 में 31,405 मामलों से शुरू होकर यह संख्या 2023 में 46,191 और 2024 में बढ़कर 56,780 तक पहुंच गई। यह वृद्धि केवल जनसंख्या या रिपोर्टिंग के बढ़ने से नहीं समझी जा सकती। इसके पीछे उन गहरे सामाजिक और मानसिक बिंदुओं को देखना होगा जो हमारी बेटियों की सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। 2025 में यह आंकड़ा लगभग 60,000 के पार चला गया, और 2026 के शुरुआती महीनों में ही 4,197 मामले दर्ज हो चुके थे। यह न केवल प्रशासनिक चुनौती है, बल्कि पारिवारिक और सामुदायिक स्तर पर भी एक गंभीर चेतावनी है।यह भी सामने आया कि इनमें बड़ी संख्या उन मामलों की है ।

मध्यप्रदेश से आई ताज़ा रिपोर्ट केवल मामलों की संख्या नहीं बताती, बल्कि एक ऐसे सामाजिक संकट की ओर संकेत करती है जिसे अब और नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। प्रदेश में लगातार बढ़ रही बच्चियों और युवतियों के गुम होने की घटनाएँ, प्रेमङ्कजाल और छल के माध्यम से की जा रही आपराधिक गतिविधियाँ, और कई बार संगठित रूप से चलाए जा रहे धर्मांतरण-केन्द्रित नेटवर्क, यह सब मिलकर एक बड़ा प्रश्न हमारे सामने रखते हैं—क्या हम अपनी बेटियों की सुरक्षा को लेकर सचमुच जागरूक हैं? या हम उस खतरे को सामान्य मानकर चलते जा रहे हैं, जिसका असर परिवार, समाज और पूरी पीढ़ी पर गहरा पड़ सकता है।

संकट का बढ़ता दायरा:मध्यप्रदेश के आंकड़े बताते हैं कि 2020 से 2026 के बीच महिलाओं और बच्चियों के लापता होने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि दर्ज हुई है। 2020 में 31,405 मामलों से शुरू होकर यह संख्या 2023 में 46,191 और 2024 में बढ़कर 56,780 तक पहुंच गई। यह वृद्धि केवल जनसंख्या या रिपोर्टिंग के बढ़ने से नहीं समझी जा सकती। इसके पीछे उन गहरे सामाजिक और मानसिक बिंदुओं को देखना होगा जो हमारी बेटियों की सुरक्षा को प्रभावित कर रहे हैं। 2025 में यह आंकड़ा लगभग 60,000 के पार चला गया, और 2026 के शुरुआती महीनों में ही 4,197 मामले दर्ज हो चुके थे। यह न केवल प्रशासनिक चुनौती है, बल्कि पारिवारिक और सामुदायिक स्तर पर भी एक गंभीर चेतावनी है।यह भी सामने आया कि इनमें बड़ी संख्या उन मामलों की है जहां लड़कियों को प्रेम के नाम पर भ्रमित किया गया, फेक पहचान बनाकर सोशल मीडिया से संपर्क किया गया, आर्थिक प्रलोभन दिया गया, या परिवार से अलग कर किसी अन्य जिले और राज्य तक ले जाया गया। यह एक सुनियोजित पैटर्न की ओर संकेत करता है, जो आकस्मिक घटनाओं के बजाय किसी गहन सामाजिक-आपराधिक प्रयास का प्रमाण लगता है।

प्रेम जाल, धमकी और डिजिटल अपराध—एक नया परिदृश्य:डिजिटल युग में अपराध का स्वरूप बदल गया है। 18 से 21 वर्ष आयु वर्ग की बच्चियाँ सोशल मीडिया का सबसे सक्रिय उपयोग करती हैं। यही सक्रियता कभी-कभी उन्हें जोखिम के करीब ले आती है। नकली नामों से बनाए गए खाते, प्रोफाइल की आड़ में किए गए संबंध, तस्वीरों का मॉर्फिंग, और भावनात्मक दबाव बनाकर लड़कियों को नियंत्रित कर लेना—ये गतिविधियाँ आज अपराध की नई भाषा बन चुकी हैं।कई मामलों में यह दिखा कि प्रारंभिक मित्रता और रोमांटिक बातचीत के बाद अचानक ब्लैकमेलिंग शुरू हो जाती है। शादी के झूठे वादे, धर्मांतरण का दबाव, वीडियो बनाकर धमकाना और आर्थिक शोषण इस प्रक्रिया का आम हिस्सा है। कुछ मामलों में ऐसा भी हुआ कि लड़की को उसके परिवार से काटकर दूसरे शहर या राज्य में ले जाया गया। कई लड़कियाँ मानसिक दबाव और भय के कारण परिवार या पुलिस से संपर्क करने तक में असमर्थ हो जाती हैं।यह सब मिलकर बताता है कि अपराधी अब केवल सड़क पर नहीं, स्क्रीन के पीछे भी बैठे हैं। सुरक्षा के पारंपरिक उपाय अब पर्याप्त नहीं, बल्कि डिजिटल सतर्कता और भावनात्मक समझ की आवश्यकता पहले से अधिक बढ़ गई है।

कानून, व्यवस्था और समाज के बीच संतुलन

समाधान केवल कठोर कानूनों में नहीं, बल्कि उनकी संवेदनशील, त्वरित और मानवीय कार्यवाही में निहित है। रिपोर्ट में यह उल्लेख है कि उत्तरप्रदेश में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू होने के बाद ऐसे मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई। पुलिस की तत्परता, पीड़िता को सुरक्षित वातावरण, और दोषियों पर कठोर कार्रवाई ने एक सकारात्मक प्रभाव छोड़ा। मध्यप्रदेश में भी 45,000 महिला हेल्पलाइन शुरू करने की योजना इसी दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।लेकिन हर संवैधानिक व्यवस्था तभी प्रभावी होती है जब समाज स्वयं अपनी जिम्मेदारी स्वीकार करे। कानून अपराध को रोक सकता है, परंतु जागरूक समाज अपराध को पैदा होने से रोक सकता है। यदि परिवार संवाद बढ़ाए, यदि मोहल्ले में विश्वसनीय सामाजिक नेटवर्क बने, यदि स्कूल-कॉलेज में मनोवैज्ञानिक परामर्श और आत्मरक्षा प्रशिक्षण नियमित हों, तो लड़कियाँ न केवल सुरक्षित रहेंगी बल्कि अपने भीतर आत्मविश्वास और साहस की अनुभूति भी करेंगी।

परिवार—सुरक्षा की पहली दीवार:समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि कई बार परिवारों में संवाद की कमी बच्चियों को बाहर भावनात्मक सहारे की तलाश के लिए प्रेरित करती है। यदि घर में विश्वास का वातावरण न हो, संवाद खुला न हो, और बच्चियाँ अपने अनुभव, दोस्ती या संबंधों के बारे में बोलने से डरें, तो अपराधियों के लिए रास्ता और आसान हो जाता है।यह आलेख हमें याद दिलाता है कि परिवार केवल सुरक्षा नहीं देता, बल्कि वह मानसिक स्थिरता और आत्मसंकल्प की पहली नींव भी रखता है। माता-पिता और अभिभावकों को बेटियों के मनोभाव समझने होंगे। उनका विश्वास, और उनका मार्गदर्शन बेटियों को किसी भी भ्रम, छल या दबाव के विरुद्ध मजबूत बनाता है। जिस घर में बेटी से संवाद सहज हो, वहाँ किसी अपराधी की चाल विफल हो जाती है।

समाज और समुदाय—सहयोग की अनिवार्य शक्ति:समाज की सामूहिक चेतना इस समस्या का सबसे महत्वपूर्ण समाधान है। यदि हम हर बेटी को अपनी बेटी की तरह देखें, तो मोहल्ले और कॉलोनियों में ऐसा वातावरण बनेगा जिसमें बच्चियाँ भयमुक्त होकर जी सकें। अपार्टमेंट परिसर, कॉलोनी और कैंपसों में सामुदायिक सुरक्षा समूह, महिलाओं के लिए सेल्फ-डिफेंस कार्यक्रम और नियमित जागरूकता संवाद इस दिशा में उपयोगी कदम हैं।ऐसा समाज जहाँ हर नागरिक संवेदनशील हो, वहाँ संगठित अपराध और प्रेम-जाल जैसी प्रवृत्तियाँ टिक नहीं सकतीं। अपराधी वहीं सफल होते हैं जहाँ सामूहिक जिम्मेदारी कमजोर पड़ जाती है। समाज यदि सतर्क हो, संवेदनशील हो और सहयोगी हो, तो हर बच्ची अपने भीतर यह विश्वास लेकर जीती है कि उसके पीछे पूरा समुदाय खड़ा है।

डिजिटल सुरक्षा—आज का अनिवार्य कौशल:आज की बच्चियों के लिए चलना-फिरना जितना ज़रूरी है, उतना ही ज़रूरी डिजिटल सुरक्षा भी है। यह शिक्षा परिवार से लेकर स्कूल और समाज के प्रत्येक मंच पर आवश्यक हो चुकी है। यह समझना कि किससे बात करनी है, किस जानकारी को साझा करना खतरनाक है, कौन-सा प्रोफाइल नकली हो सकता है, लोकेशन शेयरिंग क्या जोखिम पैदा करती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शिक्षा में न्यायपालिका: संवाद की जरूरत या विवाद की राजनीति?

एक बार फिर शिक्षा से जुड़ा एक प्रश्न राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में है। शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) द्वारा प्रकाशित आठवीं कक्षा की सामाजिक विज्ञान की पुस्तक में हमारे समाज में न्यायपालिका की भूमिका शीर्षक अध्याय में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और लंबित मुकदमों का उल्लेख किए जाने पर भारत का सर्वोच्च न्यायालय ने नाराजगी प्रकट की। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की यह टिप्पणी कि किसी को भी न्यायपालिका को बदनाम करने नहीं दिया जाएगा केवल एक भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि संस्थागत गरिमा की रक्षा का संकेत है। इसके बाद संबंधित अध्याय को हटाने और बाजार में उपलब्ध पुस्तकों को वापस लेने का निर्णय लिया गया। प्रश्न यह है कि क्या यह केवल एक संपादकीय चूक थी या हमारे शैक्षिक ढांचे में कहीं गहरी संरचनात्मक कमी है? प्रश्न है कि स्कूली बच्चों को 'न्यायपालिका में भ्रष्टाचार' के बारे में जानकारी देने से किस हित की पूर्ति होने वाली है? लेकिन इसमें दो मत नहीं है कि न्यायिक तंत्र के साथ हर क्षेत्र में फैली भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के ठोस उपाय होने ही चाहिए। सबसे पहले यह भी स्वीकार करना होगा कि न्यायपालिका में लंबित मामलों और भ्रष्टाचार जैसे प्रश्न पूरी तरह काल्पनिक नहीं हैं। न्यायालयों में लंबित मुकदमों की संख्या करोड़ों में है, यह एक सार्वजनिक तथ्य है। कुछ मामलों में न्यायिक आचरण पर भी प्रश्न उठे हैं। परंतु उतना ही सत्य यह भी है कि भारतीय न्यायपालिका ने समय-समय पर अपनी स्वतंत्रता, पारदर्शिता और सक्रियता से लोकतंत्र की रक्षा की है। पिछले वर्षों में शीर्ष न्यायाधीशों द्वारा अपनी संपत्तियों का सार्वजनिक विवरण देने की सहमति जैसे कदमों ने संस्थागत पारदर्शिता को सुदृढ़ किया है। ऐसे में प्रश्न यह नहीं है कि समस्या है या नहीं, प्रश्न यह है कि उसे किस भाषा, किस संतुलन और किस शैक्षिक दृष्टि से प्रस्तुत किया जाए।शिक्षा का उद्देश्य केवल तथ्य देना नहीं, दृष्टि देना है। यदि हम बच्चों को यह सिखाते हैं कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार है, तो साथ ही यह भी सिखाना होगा कि न्यायपालिका ने भ्रष्टाचार से लड़ने में कैसी भूमिका निभाई है, उसने प्रशासनिक दुरुपयोग पर कैसे अंकुश लगाया है।

सूचना

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं। अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

क्या साइलेंट वारियर्स डॉग्स से सबक लेंगे देश में छिपे गद्दार?

मनोज अग्रवाल

> टायसन के अलावा आतंकवादियों के विरुद्ध भारतीय सुरक्षा बलों की विभिन्न सैन्य कार्रवाइयों में अनेक मददगार खोजी कुत्तों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 2023 में ही जम्मू के राजौरी जिले में एक आप्रेशन के दौरान 2 आतंकवादियों तक सुरक्षा बलों को पहुंचा कर उन्हें मार गिराने में योगदान देने वाली कैंट नामक एक मादा खोजी डॉग अपने हैंडलर को आतंकवादियों से बचाने की कोशिश के दौरान उस पर चलाई गई गोली से मारी गई थी। कैंट का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था। ये तो चंद नजीर हैं वास्तव में मददगार वफादार डॉग की सूची में जूम, फैंटम और एक्सल जैसे और भी कई नाम हैं जिन्होंने देश की माटी का ऋण अपने प्राण देकर चुकाया है। आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई में इन खोजी श्वानों का योगदान किसी भी दृष्टि से कम कर नहीं आंका जा सकता है।

पिछले दिनों भारत के सैन्य बल को जम्मू डिवीजन के कठुआ, ऊधमपुर, डोडा और किश्तवाड़ जिलों में आतंकियों के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में सेना के डॉग टायसन ने जान पर खेल कर बहतरीन काम किया है यहां तक की आतंकियों की गोलीबारी में सेना का टायसन नामक डॉग जख्मी भी हुआ है। सेना के कुत्ते, जिन्हें अक्सर साइलेंट वॉरियर्स कहा जाता है, सुरक्षा, जासूसी, बारूदी सुरंगों का पता लगाने, तलाशी और बचाव अभियानों में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेरठ के रीमाउंट और वेटरनरी कॉर्प्स सेंटर में प्रशिक्षित ये कुत्ते जर्मन शेफर्ड, लैब्राडोर, बेल्जियन मैलिनोइस जैसी नस्लों के होते हैं, जो आतंकवाद विरोधी अभियानों में सैनिकों की जान बचाते हैं। दूसरी ओर गौर कीजिए देश में काश्मीर से लेकर कोलकाता तमिलनाडु केरल तक ऐसे सक्रिय और स्लीपर सैल से जुड़े आतंकी और आतंकियों के मददगार पकड़े जा रहे हैं जो इस देश का अन्न जल खाकर भी मजहबी उन्माद और नफरती विषवमन से ग्रसित होकर देश के खिलाफ गद्दारी कर रहे हैं। ये गद्दार देशद्रोही इंसान का जन्म लेकर भी नमक का फर्ज अदा करना तो दूर देश के दुश्मनों के मंसूबों को पूरा करने में मददगार बन रहे हैं ये इन जानवरों में जन्म लेने के बावजूद प्रशिक्षण लेकर देश के लिए काम करने वाले डॉग्स से भी सबक ले सकते हैं।

आपको बता दें हाल ही में सुरक्षा बलों को जम्मू डिवीजन में सक्रिय इन आतंकवादियों का सफाया करने के लिए चलाए जा रहे ऑप्रेशन त्राशि-1 के दौरान आखिरकार 22 फरवरी, 2026 को बड़ी सफलता मिली।जम्मू के किश्तवाड़ के घने जंगल में हुई भीषण मुठभेड़ में भरतीय सेना के जवानों ने एक ढोक भेड़-बकरियां आदि चराने वालों अर्थात गड़रियों द्वारा मौसम बदलने पर रहने के लिए बनाए गए अस्थायी आवास में छिपे हुए आतंकवादियों पर रॉकेट दागकर जैश-ए-मोहम्मद के शीर्ष पाकिस्तानी कमांडर और सात साल से सुरक्षा बलों को चकमा दे रहे 10 लाख के ईनामी सैफुल्लाह सहित तीन आतंकवादियों को मार गिराया।एक रिपोर्ट के अनुसार राकेट दागने से हुआ धमाका इतना जबरदस्त था कि इसके परिणामस्वरूप एक आतंकवादी की खोपड़ी ही पूरी तरह छलनी हो गई तथा तीनों आतंकवादियों के शव पूरी तरह जल गए। मुठभेड़ स्थल से 2 ए. के. 47 राइफलें और भारी मात्रा में युद्धक सामग्री बरामद हुई।गत कुछ वर्षों से ये आतंकवादी लगातार अपनी छिपने के ठिकाने बदलते आ रहे थे और पहाड़ी इलाकों व घने जंगलों का लाभ उठाकर अपना नैटवर्क बनाने में जुटे हुए थे। इस आप्रेशन को सफल बनाने में भारतीय सेना के मददगार डॉग स्कवायड के टायसन नामक खोजी श्वान का बड़ा योगदान रहा। आतंकवादियों के ठिकानों की ओर वही सबसे पहले बढ़ा था।

जानकारी के अनुसार सेना की के नाइन यूनिट का वो बहादुर डॉग जो आतंकवाद के खिलाफ कई ऑपरेशन में हिस्सा रहा लेकिन रविवार को किश्तवाड़ में वो जिस तरह आतंकियों का काल साबित हुआ उसे सुनकर आपको न सिर्फ गर्व होगा वरना आप देश में छिपे गद्दारों पर भी लानत देंगे . जिस वक्त आतंकी सेना पर गोली चला रहे थे. उस वक्त भी टायसन रुका नहीं. बल्कि आतंकियों की ओर बढ़ता चला गया. इस फायरिंग में टायसन को एक गोली भी लग गई. फिर भी वो चट्टान की तरह उनके सामने डटा रहा और गंभीर रूप से घायल होने के बाद भी टायसन ने जवानों को आतंकियों के ठिकाने तक पहुंचाया, जिसके बाद सेना ने जैश के तीन आतंकियों को मार गिराया. इस ऑपरेशन के बाद गंभीर हालत में 'टायसन' एयरलिफ्ट कर अस्पताल पहुंचाया गया वहां आपरेशन के बाद उसकी हालत में सुधार हो रहा है।घायल हो जाने के बावजूद टायसन ने आतंकवादियों का डटकर मुकाबला किया और अंततः उसने आतंकवादियों को सुरक्षा बलों की रेंज में ला दिया और भारतीय जवानों ने उनको ढेर कर दिया। सैन्य रिपोर्ट के अनुसार भारतीय सेना के जांबाज के नाइन डॉग टायसन ने किश्तवाड़ में आतंकियों से लोहा लेते हुए अदम्य साहस का परिचय दिया. गोली लगने के बावजूद भी वो चट्टान की तरह उनके सामने डटा रहा. टायसन की मदद से जैश के तीन आतंकी मारे गए. टायसन जैसे जर्मन शेफर्ड डॉग भारतीय सेना की शान हैं, जो कठिन प्रशिक्षण के बाद देश की सेवा करते हैं.

इस सम्बन्ध में जारी एक बयान में कहा गया है कि टायसन की बहादुरी के दम पर व्हाइट नाइट कोर्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस तथा सी.आर.पी. एफ. उक्त पाकिस्तान समर्थित आतंकवादियों पर सटीक निशाने साध कर उन्हें ठिकाने लगा सकीं। टायसन एक सच्चा योद्धा सिद्ध हुआ है।

टायसन के अलावा आतंकवादियों के विरुद्ध भारतीय सुरक्षा बलों की विभिन्न सैन्य कार्रवाइयों में अनेक मददगार खोजी कुत्तों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार इनमें सेना के डोमीनो नामक कुत्ते तथा उसके हैंडलर लक्की कुमार को राजौरी में एक आतंकवादी का पता लगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए 2023 में सम्मानित भी किया गया था।2023 में ही जम्मू के राजौरी जिले में एक आप्रेशन के दौरान 2 आतंकवादियों तक सुरक्षा बलों को पहुंचा कर उन्हें मार गिराने में योगदान देने वाली कैंट नामक एक मादा खोजी डॉग अपने हैंडलर को आतंकवादियों से बचाने की कोशिश के दौरान उस पर चलाई गई गोली से मारी गई थी। कैंट का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया था।

ये तो चंद नजीर हैं वास्तव में मददगार वफादार डॉग की सूची में जूम, फैंटम और एक्सल जैसे और भी कई नाम हैं जिन्होंने देश की माटी का ऋण अपने प्राण देकर चुकाया है। आतंकवादियों के विरुद्ध कार्रवाई में इन खोजी श्वानों का योगदान किसी भी दृष्टि से कम कर नहीं आंका जा सकता है।

समय समय पर देश की सीमाओं और प्रमुख एतिहासिक स्थलों व्यक्तियों नेताओं अधिकारियों की सुरक्षा को जब जब देश के दुश्मनों ने निशाना बनाने की कोशिश की है भारतीय सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण प्राप्त कुत्तों ने जबरदस्त मदद कर दुश्मनों के मंसूबों को नाकाम करने में अपना योगदान दिया है इन खोजी श्वानों के प्रशिक्षण तथा देखभाल को और बेहतर बनाने के साथ-साथ उनके प्रशिक्षकों को भी समुचित पुरस्कार देकर प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि वे और मुस्तैदी से देश के दुश्मनों का सफाया कर सकें।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

उपभोक्ता कानून में शीघ्र न्याय दिला सकती कृत्रिम बुद्धिमत्ता!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

उपभोक्ता कानून में एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) का उपयोग रियल-टाइम डेटा विश्लेषण द्वारा खरीदारी के पैटर्न को समझने, शिकायतों के तेजी से निपटान, और क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी को रोकने के लिए किया जा रहा है। यह तकनीक उपभोक्ता सेवा की गुणवत्ता पर नजर रखने में सहायक सिद्ध हो रही है। उपभोक्ता मंत्रालय उपभोक्ताओं की शिकायतो को सुनने और उसका समाधान देने के लिए एआई का इस्तेमाल कर रहा है।एआई के कारण शीघ्र समाधान के चलते डिजिटल शिकायतों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। एआई का उपभोक्ता कानून में उपयोग सन 2023 में पहली बार शुरू किया गया था।आईआईटी बॉम्बे के कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट के प्रोफेसर डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और उनकी की टीम ने यह चैटबॉट तैयार किया है।साथ ही एनएलएसआईयू बेंगलुरु के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राहुल हेमराजानी और उनकी टीम ने कानूनी पहलुओं को जोड़ते हुए इस चैटबॉट को प्रशिक्षित किया। डॉ. पुष्पक भट्टाचार्य और डॉ. राहुल हेमराजानी के इस प्रोजेक्ट में उपभोक्ता मंत्रालय नॉलेज पार्टनर था। उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान में एआई बेहद कारगर है।इसी के कारण उपभोक्ता शिकायतों की संख्या व समाधान में इजाफा हुआ है।आंकड़ो पर गौर करे तो

दिसंबर, 2015 देश में जहां 12,553 उपभोक्ताओं की शिकायत दर्ज हुई थीं, वहीं अब यह संख्याआ बढ़कर 1,55, 138 हो गई है।सन 2023 में इन शिकायतों के समाधान में सामान्यतः 66.26 दिन लगते थे, जबकि सन 2024 में यह अवधि घटकर 48 दिन रह गई।वही जिन कंपनियों के खिलाफ शिकायतें अधिक होती हैं, उनको कन्वर्जेंस पार्टनर बनाया जाता है।सन 2017 में ऐसी कंपनियों की संख्यो 263 थी, जो कि अब बढ़कर 1,038 हो गई हैं। एआई बेस प्रोजेक्टब शुरू होने के बाद ये कंपनियां उपभोक्ताओं की समस्याओं को प्राथमिकता दे रही हैं।देश में 53 प्रतिशत से अधिक लोग ऐसे हैं, जो सरकारी पोर्टल का उपयोग नहीं कर पाते हैं। ऐसे में एआई चैटबॉट उनकी मदद करेगा। हाल ही में गपशप प्लेसटफॉर्म ने उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के साथ मिलकर जागृति एआई चैटबॉट लॉन्च किया है,जो उपभोक्ताओं के लिए मील का पत्थर है। कानून के क्षेत्र में एआई न्याएय गुरु देश का पहला एआई आधारित लीगल चैटबॉट है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

शब्द पहेली - 8652

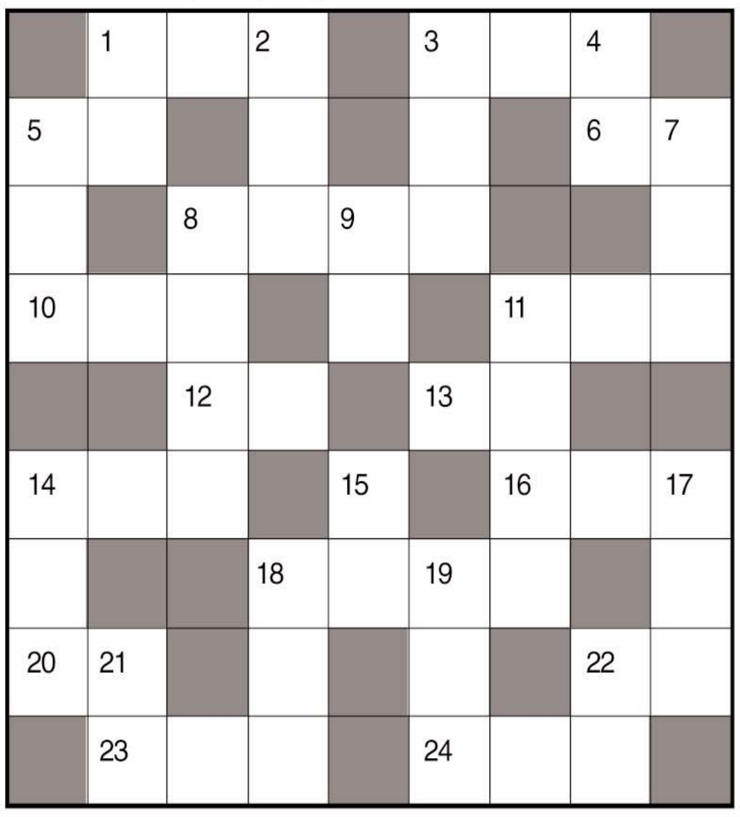

बाएँ से दाएँ

1. सरस्वती-3
3. किनारा,तट-3
5. मूल्य,कीमत-2
6. उस समय-2
8. प्रबंध,व्यवस्था-4
10. नमक-3
11. अधीन,मातहत-3
12. संज्ञा,संबोधन-2
13. मार्ग,रास्ता-2
14. तीर्थ,धार्मिक यात्रा-3
16. धुन,आसक्ति-3
18. जमानत-4
20. रहस्य-2
22. पुत्र,तनय-2
23. मुलायम-3
24. गंवार,अनपढ़-3

ऊपर से नीचे

1. संध्या,सांझ-2
2. असुर,दैत्य-3
3. शोरबा,रसा-3
4. बुरी आदत-2
5. प्रवेश,एडमिट-3
7. वर यात्रा,दूल्हे का जुलूस-3
8. प्रियतम,साजन-4
9. अनाज-2
11. सनसनी,रोमांच-4
14. तृतीय-3
15. सच्चाई,सत्य-2
17. जिसकी नाक कटी हो, वादा फरामोश-3
18. मुंशी,दीवान-3
19. रवैया,तरीका-3
21. आम जनता-2
22. लता,लतिका-2

शब्द पहेली -8651 का हल

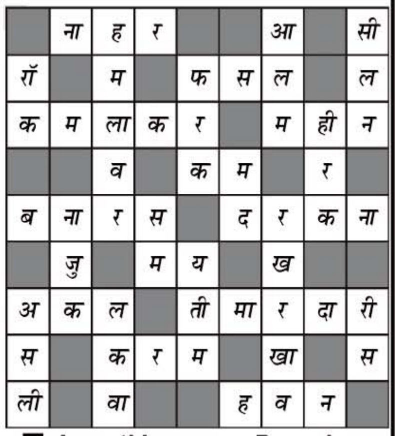

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

28 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शनिवार 2026 वर्ष का 59 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 20.44 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 09.35 बजे को समाप्त।
योग सौभाग्य 17.02 बजे को समाप्त।
करण बव 09.37 बजे तदनन्तर बालव 20.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 08° 03'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872634
जूलियन दिन 2461099.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान
तारीख 10
विशेष गोविन्द द्वादशी।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	07.11 बजे से
चंद्र	कर्क में	मेष	08.42 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	10.22 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	12.20 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	14.33 बजे से
शुक्र	कुंभ में	सिंह	16.49 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	19.01 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	21.12 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	23.27 ब.से
राहुकाल		धनु	01.43 बजे से
9.00 से 10.30 बजे तक		मकर	03.48 बजे से
		कुंभ	05.34 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05.55 से	07.23 बजे तक	लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक	उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक	शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक	अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक
चर	11.46 से	01.14 बजे तक	चर	11.47 से	01.19 बजे तक
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक	रोग	01.19 से	02.51 बजे तक
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक	काल	02.51 से	04.23 बजे तक
काल	04.10 से	05.37 बजे तक	लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

न्यूज इन शॉर्ट

होली त्यौहार को लेकर थाने में हुई शांति समिति की बैठक

सीधी। आगामी होली त्यौहार का त्योहार शांति पूर्वक समरसता के साथ मनाया जाए जिसको को लेकर पुलिस थाना मझौली में शांति समिति की बैठक उपखंड अधिकारी आरपी त्रिपाठी, तहसीलदार दिलीप सिंह,तहसीलदार मड़वास राजेश पारस,नायब तहसीलदार वेदवती सिंह के उपस्थिति में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि,सामाजिक कार्यकर्ता,गणमान्य नागरिक के साथ थाना प्रभारी विशाल शर्मा के संयोजन में आयोजित हुई।बैठक को संबोधित करते हुए उपखंड अधिकारी ने कहा कि किसी भी त्यौहार को भाईचारे एवं समरसता के साथ मनाया जाना चाहिए लेकिन कुछ असामाजिक तत्व त्यौहार में ही बदले की भावना से विवाद पैदा करते हैं जिसे प्रशासन और समाज के सहयोग से ही नियंत्रित किया जा सकता है।थाना प्रभारी ने कहा कि पुलिस प्रशासन का पूरा प्रयास रहेगा कि होली का त्यौहार शांति पूर्वक संपन्न हो जिसके लिए सामाजिक सहयोग अपेक्षित है वहीं किसी भी जगह विवाद की स्थिति पैदा हो तो तत्काल पुलिस को सूचित किया जाए। बैठक में बताया गया कि 2 मार्च को होली एवं 3 मार्च को धुरेड़ी (फाग) का त्यौहार मनाया जाएगा जिसमें पुलिस का निगरानी अभियान नगर क्षेत्र सही ग्रामीण में जारी रहना चाहिए ताकि असामाजिक तत्वों में भय और दहसत का माहौल बना रहे।बैठक में सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा सुझाव दिया गया कि त्योहार के समय नशे की हालत में कोई भी व्यक्ति वाहन न चलाएं अगर वाहन चलाते पाया जाता है तो पुलिस द्वारा कार्रवाई होनी चाहिए।वहीं कई लोगों द्वारा सामाजिक एवं भौगोलिक स्थित का हवाला देते हुए अपने-अपने सुझाव दिए। बैठक में प्रमुख रूप से नगर परिषद के अध्यक्ष शंकर प्रसाद गुप्ता, डॉ राकेश तिवारी,जेई भरत लाल शाह,नगर परिषद के उपाध्यक्ष उदयभान यादव, सरपंच डांगा अखिलेश जायसवाल उपस्थित रहे।

आम फलहार की नीलामी 28 फरवरी को

अनूपपुर। सहायक संचालक उद्यान द्वारा सर्वसाधारण फलहार के इच्छुक क्रेता/व्यापारियों को सूचित किया गया है कि शासकीय उद्यान रोपणी कटकोना, विकासखंड कोतमा तथा शासकीय उद्यान रोपणी पारसी, विकासखंड अनूपपुर के आम फलहार वर्ष 2025-26 की नीलामी 28 फरवरी 2026 को कार्यालय सहायक संचालक उद्यान, जिला अनूपपुर में आयोजित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक क्रेता/व्यापारी निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते हैं। शासकीय उद्यान रोपणी कटकोना में आम फलहार के 283 वृक्षों हेतु अमानत/धरोहर राशि 40,000 रुपये तथा शासकीय उद्यान रोपणी पारसी में 119 वृक्षों हेतु अमानत/धरोहर राशि 25,000 रुपये निर्धारित की गई है। नीलामी की शर्तें एवं नियमों की प्रतियां कार्यालय सहायक संचालक उद्यान, जिला अनूपपुर तथा संबंधित उद्यान अधीक्षक कार्यालय से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती हैं।

हैंडपंप संधारण एवं नल जल योजना संचालन, संधारण हेतु उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित

उमरिया ।कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय ने बताया कि ग्रीष्मकाल मे पेयजल व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने हेतु हैंडपंप संधारण एवं नल जल योजना संचालन,संधारण हेतु जिला अंतर्गत उपखंड स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है जिसका मोबाइल नंबर 9893105867 है । कंट्रोल रूम के लिए अनुरूध्द सिंह उद्दे हैंडपंप टेक्नीशियन कि सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक संजीव बर्मन स्टोर क्लर्क कि दोपहर 2 बजे से 8 बजे तक के लिए ड्यूटी लगाई गई है । अवकाश के दिनों में अनुरूध्द सिंह उद्दे हैंडपंप टेक्नीशियन को फोन अटैंड कर शिकायत रजिस्ट र में संधारित करने के लिए नियुक्त किया गया है । उन्होने बताया कि इसके अतिरिक्त जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर कार्यरत अधिकारियो, कर्मचारियो एवं ठेकेदारो से मोबाइल नंबर पर सुधार कार्य हेतु सीधे संपर्क किया जा सकता है। अधिकारियो में आर के गुप्ता प्रभारी सहायक यंत्री प्रभारी कंट्रोल रूम मोबाइल नंबर 9753207802, हिमांशु जायसवाल उपयंत्री विकासखंड मानपुर पाली मोबाइल नंबर 81099380362 तथा अजय कुमार शर्मा उपयंत्री विकासखंड करकेली मोबाइल नंबर 9131215330 शामिल है । ठेकेदार मेसर्स इंटरनेशनल स्पेशल स्क्योरिटी फोर्स विकासखंड पाली, मानपुर , करकेली मोबाइल नंबर 9752291747 शामिल है।

सब्जी मंडी में स्व सहायता समूहो की महिलाओ व्दारा लगाई जाएगी हर्बल के गुलाल की दुकाने

उमरिया । मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका परियोजना के माध्यम से दो दिवसीय आजीविका होली मेला का आयोजन 28 फरवरी एवं 1 मार्च को सब्जी मंडी उमरिया में हर्बल की दुकाने स्व सहायता समूह की महिलाओं व्दारा लगाई जाएगी। इसके साथ ही कुछ स्वा सहायता समूह की महिलाएं भोपाल में आयोजित होली मेले में सम्मिलित होंगी। जिला परियोजना समन्वयक ने बताया कि होली के रंग आजीविका के संग के माध्यम से होली मेले में स्व-सहायता समूहों व्दारा तैयार किए गए हर्बल गुलाल का विक्रय किया जाएगा । नगरवासियो से अपील की गई है कि होली के त्यौहार में शुद्व एवं देशी सामग्री का उपयोग कर स्वास्थ्य की देखभाल करें तथा स्व सहायता समूह की दीदियो द्वारा निर्मित उत्पादों को प्रोत्साहित करें।

कार्यो की समीक्षा

उमरिया । जल जीवन मिशन के अंतर्गत प्रगतिरत नल जल योजनाओ की समीक्षा बैठक शहडोल सांसद एवं विधायक, जनप्रतिनिधियो एवं संविदाकार के समक्ष कलेक्टर सभागार में बैठक 26 फरवरी को दोपहर 2 बजे से आहूत की गई है।

स्वास्थ्य विभाग की आउटसोर्सिंग में 'सेटिंग' का आरोप

जांच की मांग तेज, 112 नामों की संदिग्ध सूची से मचा हड़कंप, संभागीय आयुक्त से शिकायत

विजय मत, अनूपपुर

जिले के स्वास्थ्य विभाग में आउटसोर्सिंग नियुक्तियों के नाम पर एक ऐसा %स्कैम% सामने आया है जिसने पूरी प्रशासनिक व्यवस्था को हिलाकर रख दिया है। कंप्यूटर ऑपरेटर और एम.टी.एस. पदों के लिए हुए साक्षात्कारों में पारदर्शिता को ताक पर रखकर अपनों को रेवड़ियाँ बांटने का गंभीर आरोप लगा है। आलम यह है कि जो अभ्यर्थी इंटरव्यू में आए ही नहीं, उनका चयन हो गया और जिनके पास डिजिटल रिकॉर्ड तक नहीं था, उन्हें नियुक्तियां दे दी गईं। शहडोल कमिश्नर तक पहुंची इस शिकायत ने स्वास्थ्य विभाग और सेडमैप की साठगांठ की पोल खोल दी है।

मध्यप्रदेश के अनुपपुर जिले में स्वास्थ्य विभाग से बुद्ध आउटसोर्सिंग नियुक्ति साक्षात्कार को लेकर गंभीर आरोप सामने आए हैं। यह मामला उद्यमिता विकास केंद्र (सेडमैप) के माध्यम से आयोजित साक्षात्कारों से जुड़ा है, जिसमें चयन प्रक्रिया की पारदर्शिता, निष्पक्षता और वैधानिकता पर प्रश्नचिह्न लगाए गए हैं। शिकायतकर्ता ने संभागीय आयुक्त शहडोल को विस्तृत लिरिका आवेदन सौंपकर पूरं प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता गण राहुल आलोक राज सलमान मंसूरी जितेन्द्र प्रजापति, भूपेंद्र, शान चंद एवं अन्य 23 शिकायत कर्ताओं के आवेदन के अनुसार, सेडमैप के माध्यम से जिला अनूपपुर के लिए स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत विभिन्न पदों कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं एम.टी.एस. (ग्रुप-डी) पर आउटसोर्सिंग नियुक्ति हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। यह प्रक्रिया दिसंबर 2025 में प्रारंभ हुई, जिसमें कुल 895 अभ्यर्थियों ने ऑनलाइन आवेदन किया।

यह रही शिकायत

शिकायत के अनुसार, सेडमैप द्वारा पत्र क्रमांक सेडमैप/मैनपावर/12025/8888/ भोपाल दिनांक 12 दिसंबर 2025 के माध्यम से ऑनलाइन प्राप्त अभ्यर्थियों के साक्षात्कार की तिथियाँ निर्धारित की गई। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कम्प्यूटर ऑपरेटर 18 दिसंबर 2025 (समय सुबह11 बजे एग.टी.एस. (ग्रुप-डी) 19 दिसंबर 2025 (समय सुबह 11 बजे एम.टी.एस. (ग्रुप-डी) 20 दिसंबर 2025 (समय सुबह 11 बजे) इन साक्षात्कारों का आयोजन भोपाल स्थित संडगँप कार्यालय, एमपी-16, अरंग हिल्या, पुरानी जेल बंड सामने, निर्वाचन सदन के पास किया जाना दर्शाया गया है। इसके पश्चात्त, कार्यालय मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी जिला अनूपपुर द्वारा चिकित्सा एवं (सीएमएचओ), फा क्रमांक 13 दिसंबर 2025 क माध्यम अधिकारियों को साक्षात्कार हेतु नामांकित करने का उल्लेख है। वहीं, एक अन्य पत्र क्रमांक /गु.चि./2025/432 17 दिसंबर 2025 के जरिए 18, 19 और 20 दिसंबर 2025 को भोपाल में साक्षात्कार आयोजित किए जाने की सूचना दी गई।112 लोगों की एक सूची पहले से मौजूद थी, जिनमें से अधिकांश कथित रूप से साक्षात्कार लेने वाले अधिकारियों के परिचित

साक्षात्कार पैनल पर आरोप

शिकायत पत्र में उल्लेख है कि साक्षात्कार प्रक्रिया में प्रमुख रूप से डीएचओ-2 तथा फार्मासिस्ट स्टोर कीपर की भूमिका रही। आरोप है कि इन अधिकारियों द्वारा साक्षात्कार की सूची पहले से तैयार रखी गई थी और अधिकांश चयन पूर्वनिर्धारित था। शिकायत के अनुसार, साक्षात्कार के दिनों में लगभग बताए गए हैं। आरोप है कि इन अभ्यर्थियों का चथन उनके निवास स्थान के अनुसार जैसी स्वास्थ्य इकाइयों में पहले ही तय कर लिया गया था।

डेटा और चयन पर सवाल

शिकायत में यह भी कहा गया है कि 112 नामों में से 21 अभ्यर्थी साक्षात्कार में उपस्थित ही नहीं हुए, इसके बावजूद उनके नाम चयन सूची में शामिल कर लिए गए। इसके अतिरिक्त, आरोप लगाया गया है कि इन 112 लोगों में से 50 अभ्यर्थियों का ऑनलाइन आवेदन इंदा रोडमैप की सूची में उपलब्ध ही नहीं है, पानी उनके नामों का कोई आधिकारिक डिजिटल रिकॉर्ड नहीं पाया गया। यह रिथति पूरी चयन प्रक्रिया की वैधानिकता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। शिकाकाकर्ता के अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने वास्तव में ऑनलाइन आवेदन किया और साक्षात्कार में उपस्थित रहे, उन्हें दरकिनार कर दिया गया। दबाव का आरोप शिकायत अनुसार, जिन अभ्यर्थियों ने यह राशि देने से इनकार किया, उन्हें उनके गृह जिल से 75 से 150 किलोमीटर दूर पदस्थ किया गया, जिससे कम वेतन में कार्य करना उनके लिए व्यावहारिक रूप से असंभव हो गया। इतना ही नहीं, आरोप है कि वई चयनित अभ्यर्थियों से त्यागपत्र और स्थानांतरण पत्र सडमैप, सीएमएचओ एवं जुइस इंटरप्राइजेज को ई-मेल के माध्यम से पहले ही भिजवा लिए गए थे, जिससे यह संकेत मिलता है कि नियुक्ति प्रक्रिया साक्षात्कार से पहले ही पूरी कर ली गई थी। वरिष्ठ अधिकारियों पर प्रभाव डालने का दावा शिकायतकर्ता ने यह भी आरोप लगाया है कि 17 दिसंबर 2025 से 24 दिसंबर 2025. तक संबंधित अधिकारी संडमैप भोपाल कार्यालय में उपस्थित रहे और संहगैप के नोडल अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों पर यह कहकर दबाव बनाया गया कि सूची में शामिल लोग जिला कलेक्टर एवं सीए?मएचओ अनुपपुर से जुड़े तथा मंत्री के लोग हैं। आरोप के अनुसार, इस दौरान मोबाइल पर बातचीत कर विश्वास में लेकर सूची को अंतिम रूप दिया गया।

संभागीय आयुक्त से जांच और कार्रवाई की मांग

शिकायतकर्ताओं ने संभागीय आयुक्त शहडोल से आग्रह किया है कि वे स्वयं इस पूरे प्रकरण का संज्ञान लें और स्वास्थ्य विभाग के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारी द्वारा किए गए कथित भ्रष्टाचार को रोकने हेतु सख्त कदम उठाएं। उन्होंने जनहित और अपने हित में शीघ्र, निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कराए जाने की मांग की है। शिकायत के साथ कई दस्तावेजों की छायाप्रति संलग्न की गई है, जिनमें पत्राचार, तिथियाँ, सूचियाँ और अन्य साक्ष्य शामिल बताए गए हैं। साथ ही, अन्य कथित पीड़ित आवेदकों के हस्ताक्षर भी आवेदन के साथ प्रस्तुत किए गए हैं।

फर्जी तरीके से की गई कीमती जमीन की रजिस्ट्री निरस्त

पूर्व पार्षद पर उठे गंभीर सवाल, न्यायालय ने बिना कलेक्टर अनुमति हुए विक्रय को ठहराया अवैध, नगर में मचा हड़कंप

विजय मत, कोतमा

नगर के वार्ड क्रमांक 6 से जुड़े एक बहुचर्चित भूमि प्रकरण में न्यायालय ने बड़ा फैसला सुनाते हुए पूर्व पार्षद भाजपा नेता अजय तोमर से संबंधित कीमती भूमि की रजिस्ट्री को शून्य घोषित कर दिया है। सिविल न्यायालय के आदेश के बाद नगर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग जोर पकड़ने लगी है।

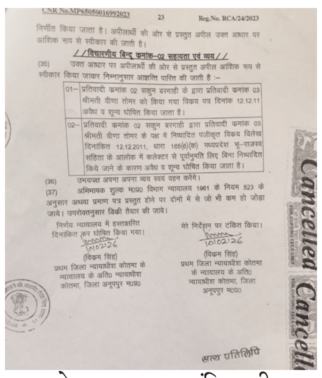

CNR No.MP65050016992023 23 Reg.No. RCA/24/2023

निर्णीत किया जाता है। अपीलार्थी की ओर से प्रस्तुत अपील उक्त आधार पर आंशिक रूप से स्वीकार की जाती है।

//विचारणीय बिन्दु क्रमांक-02 सहायता एवं व्यय//

(35) उक्त आधार पर अपीलार्थी की ओर से प्रस्तुत अपील आंशिक रूप से स्वीकार किया जाकर निम्नानुसार आज्ञप्ति पारित की जाती है :-

01- प्रतिवादी क्रमांक 02 सकुन बरगाही के द्वारा प्रतिवादी क्रमांक 03 श्रीमती वीणा तोमर को किया गया विक्रय पत्र दिनांक 12.12.11 अवैध व शून्य घोषित किया जाता है।

02- प्रतिवादी क्रमांक 02 सकुन बरगाही द्वारा प्रतिवादी क्रमांक 03 श्रीमती वीणा तोमर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांकित 12.12.2011, धारा 165(6)(क) मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता के आलोक में कलेक्टर से पूर्वानुमति लिए बिना निष्पादित किये जाने के कारण अवैध व शून्य घोषित किया जाता है।

(36) उभयपक्ष अपना अपना व्यय स्वयं वहन करेंगे।

(37) अभिभाषक शुल्क म0प्र0 विभाग न्यायालय 1961 के नियम 523 के अनुसार अथवा प्रमाण पत्र प्रस्तुत होने पर दोनों में से जो भी कम हो जोड़ा जाये। उपरोक्तानुसार डिक्री तैयार की जावे।

निर्णय न्यायालय में हस्ताक्षरित दिनांकित कर घोषित किया गया।

10/02/26

(विक्रम सिंह)
प्रथम जिला न्यायाधीश कोतमा के न्यायालय के अति0 न्यायाधीश कोतमा, जिला अनूपपुर म0प्र0

मेरे निर्देशन पर टंकित किया।

10/02/26

(विक्रम सिंह)
प्रथम जिला न्यायाधीश कोतमा के न्यायालय के अति0 न्यायाधीश कोतमा, जिला अनूपपुर म0प्र0

Cancelled

Cancelled

सत्य प्रतिलिपि

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूर्व पार्षद अजय तोमर द्वारा अपनी पत्नी वीणा तोमर के नाम से सुमन बरगाही से दिसंबर 2011 में एक कीमती भूमि का पंजीकृत विक्रय पत्र कराया गया था। मामला न्यायालय में पहुंचने पर यह तथ्य सामने आया कि उक्त रजिस्ट्री मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 165(6) (क) के तहत आवश्यक कलेक्टर की पूर्व अनुमति के बिना कराई गई थी। न्यायालय ने इसे नियमों के विपरीत मानते हुए अवैध करार दिया और विक्रय पत्र को शून्य घोषित कर दिया।

न्यायालय के आदेश (प्रकरण क्रमांक ऋष्ट/24/2023) में स्पष्ट उल्लेख है कि बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के की गई रजिस्ट्री विधिसम्मत नहीं मानी जा सकती। प्रथम जिला न्यायाधीश कोतमा के न्यायालय द्वारा पारित निर्णय में कहा गया कि संबंधित विक्रय पत्र को निरस्त किया जाता है तथा पक्षकार अपने-अपने व्यय स्वयं वहन करेंगे।

इस फैसले के बाद नगर में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। आम नागरिकों का कहना है कि यदि जनप्रतिनिधि ही नियमों को ताक पर रखकर शासन की आंखों में धूल झोंकते हुए कीमती जमीनों का सौदा करेंगे तो आम जनता को न्याय कैसे मिलेगा? सवाल यह भी उठ रहा है कि आखिर इतनी बड़ी रजिस्ट्री बिना प्रशासनिक अनुमति के कैसे हो गई और उस समय जिम्मेदार अधिकारियों ने क्या भूमिका निभाई? स्थानीय लोगों ने मांग की है कि पूरे प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और यदि किसी भी स्तर पर मिलीभगत पाई जाए तो संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। नगर में यह भी चर्चा है कि मामले की पुनः विस्तृत जांच कर अन्य संपत्तियों की भी पड़ताल की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की अनियमितताओं पर रोक लग सके। फिलहाल न्यायालय के फैसले ने यह स्पष्ट कर दिया है कि कानून से ऊपर कोई नहीं है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले में आगे क्या कदम उठाता है और क्या जवाबदेही तय की जाती है।

नपा कर्मचारी को सेवानिवृत्त पर दी गई विदाई

विजय मत, सीधी

नगर पालिका परिषद सीधी के स्थायीकर्मी अशोक शर्मा की अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण होने पर परिषद के उपाध्यक्ष दान बहादुर सिंह चौहान द्वारा सम्मान सामरोह आयोजित कर विदाई दी गई।

बता दें कि 01 अगस्त 1992 को शासकीय सेवा में आए थे और 28 फरवरी को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। उनके सेवानिवृत्त होने के एक दिवस पूर्व विदाई पार्टी का आयोजन उपाध्यक्ष द्वारा अपने कक्ष में आयोजित किया गया। इस दौरान सेवानिवृत्त हो रहे स्थायीकर्मी अशोक शर्मा ने कहा कि हमारे परिषद के उपाध्यक्ष दान बहादुर सिंह चौहान ने अपने कार्यकाल के दौरान नगर पालिका कर्मचारियों एवं अधिकारियों के सेवानिवृत्त एवं स्थानांतरित होने पर सम्मान समारोह का आयोजन स्वयं के व्यय पर किया जाता है। ऐसे जनप्रतिनिधि के साथ काम करना हम सब के लिए सौभाग्य की बात है। आज मुझे जो सम्मान आपके द्वारा दिया गया है यह हमारे जीवन का अविस्मरणीय सम्मान है, श्री शर्मा ने कहा कि आपके द्वारा दिए गए सम्मान एवं संस्कार को लेकर मैं अपने निजी जीवन में भी सरोकार करने प्रयासरत रहूंगा। वहीं नपा उपाध्यक्ष दान बहादुर सिंह ने कहा कि अशोक शर्मा नपा कर्मचारी जरूर थे लेकिन इनसे मेरा व्यक्तिगत लगाव था।

अमरकंटक में अंधीहत्या का खुलासा: 48 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

विजय मत, अनूपपुर

थाना अमरकंटक क्षेत्र में हुई अंधीहत्या की गुत्थी को पुलिस ने महज 48 घंटे के भीतर सुलझाकर सराहनीय कार्य किया है। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। घटना का विवरण दिनांक 23 ?रवरी 2026 को ग्राम दुवारी निवासी सुद्धन सिंह मरावी ;उम्र 65 वर्षद्ध ने थाना अमरकंटक में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी बहू गोमती बाईए जो घर से लगभग 100 मीटर दूर अकेली रहती थीए मृत अवस्था में पाई गई है। मृतिका का पति संतोष सिंह मजदूरी के लिए रायपुर गया हुआ था। 22 ?रवरी 2026 की शाम गोमती बाई घर पर अकेली थी। अगले दिन सुबह जब सुद्धन सिंह बकरियों को देखने बहू के घर पहुंचे तो वह जमीन पर मृत पड़ी मिली। घटनास्थल पर प्लास्टिक के गैलन में देशी महुआ शराबए दो स्टील के कपए दो कटोरियां तथा हल्दीए मिर्ची व चावल के दाने बिखरे मिले। मृतिका के गले व चेहरे पर चोट के निशान थेए जिससे प्रथम दृष्टया गला दबाकर हत्या किए जाने की आशंका जताई गई। रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 33є26 धारा 103;1द्ध बीएनएसण् के तहत मामला दर्ज कर वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

11 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ का समापन आज

विजय मत, कोतमा

कोतमा क्षेत्र के निगवानी स्थित चरणतीर्थ पावनधाम में चल रहा 11 कुण्डीय श्रीराम महायज्ञ एवं श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ शनिवार को पूर्णाहूति के साथ संपन्न होगा। 18 फरवरी से प्रारंभ हुआ यह आयोजन जगतगुरु स्वामी श्रीरामललाचार्य जी महाराज (खजुरीताल पीठाधीश्वर) के सान्निध्य में आयोजित किया जा रहा है। यज्ञ में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हो रहे हैं। स्वामी श्रीरामललाचार्य जी ने कहा कि यह आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जागरण का माध्यम है। उन्होंने घोषणा की कि क्षेत्र में आध्यात्मिक चेतना बनाए रखने के लिए यह आयोजन आगामी 12 वर्षों तक प्रतिवर्ष आयोजित किया जाएगा।

सामाजिक समरसता पर जोर

कार्यक्रम के दौरान स्वामी जी ने सामाजिक समरसता और 'स्वधर्म बोध' का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि भटकाववश सनातन परंपरा से दूर हुए लोगों को प्रेम और संस्कार के माध्यम से पुनः जोड़ा जाएगा। यज्ञ स्थल पर सभी वर्गों की सहभागिता देखी जा रही है।

आज पूर्णाहूति और विशाल भंडारा

शनिवार 28 फरवरी को ब्रह्म मुहूर्त से विशेष हवन और पूर्णाहूति की जाएगी। इसके बाद विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है।

भजन संध्या का आयोजन

सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत राष्ट्रीय भजन गायिका शहनाज अख्तर भक्ति गीतों की प्रस्तुति देंगी। आयोजन समिति ने क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

पत्रकारों का सम्मान

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। स्वामी जी ने मीडिया को लोकतंत्र का महत्वपूर्ण स्तंभ बताते हुए राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका की सराहना की।

शुभारंभ

अनूपपुर रेलवे स्टेशन में सांसद ने संतरागाछी ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अनूपपुर से किया रवाना

हिमाद्री सिंह ने स्टेशनों पर ट्रेनों के ठहराव का किया लोकार्पण

विजय मत, अनूपपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत अनूपपुर कोतमा वेंकट नगर स्टेशनों पर ठहराव की मांग जनता के द्वारा की जा रही थी जिसमें अनूपपुर रेलवे स्टेशन में संतरागाछी और कोतमा में अंबिकापुर निजामुद्दीन और वेंकट नगर में पुरी ऋषिकेश उत्कल एक्सप्रेस एक्सप्रेस के ठहराव के लोकार्पण का कार्यक्रम 27 फरवरी 2026 को अनूपपुर रेलवे जंक्शन परिसर में मुख्य अतिथि शहडोल संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता रामदास पुरी वरिष्ठ भाजपा नेता मूलचंद अग्रवाल जिला महामंत्री श्याम नारायण शुक्ला सिद्धार्थ सिंह नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती अंजुलिका सिंह मंडल अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

हमारा प्रयास क्षेत्र को मिले बेहतर सुविधा

ट्रेनों के ठहराव के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शहडोल संसदीय क्षेत्र की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि कोविड के दौरान कई स्टेशनों में ट्रेनों के स्टॉपेज खत्म कर दिए गए थे जिसके कारण क्षेत्र के लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था लेकिन अब हम प्रयास कर रहे हैं कि महत्वपूर्ण सभी ट्रेनों के स्टेप की स्वीकृति प्रदान की जाए किसी कड़ी में अनूपपुर वेंकट नगर और कोतमा में ट्रेनों के स्टॉपेज को स्वीकृति प्रदान हुई है हम उन सभी क्षेत्र के वासियो को बधाई देते हैं । आज के समय में हर किसी को जल्दी पहुंचने की भी अपेक्षा रहती है हमारा लक्ष्य है कि हम छोटे स्टेशनों को बड़े स्टेशनों से जोड़े और हमारा प्रयास इस दिशा में जारी है हम लगातार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से रेल की बेहतर सुविधा हमारे आंचल को प्राप्त हो इसके लिए हम प्रयास कर रहे हैं इस कार्यक्रम को लेकर जो भ्रांति फैलाई गई वह ठीक नहीं है आज हमारी निगाहें उन साथियों को ढूंढ रही हैं जो कार्यक्रम के दौरान सैकडो कार्यकर्ता लेकर स्वागत के लिए पहुंचने वाले थे। विरोध जनहित के मुद्दों का नहीं होना चाहिए, अमरकंटक पेंड्रा लाइन शहडोल जयसिंहनगर रेलवे लाइन के लिए भी हमारा प्रयास निरंतर जारी है रेलवे से संबंधित जो भी समस्याएं होंगी उनका समाधान किया जाएगा और रेलवे के क्षेत्र में विस्तार किया जाएगा अनूपपुर में बना रहे रेलवे ओवर ब्रिज को लेकर भी सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा की रेलवे के अधिकारी इसे गंभीरता से लेकर कार्य को शीघ्र पूर्ण करें अन्यथा हम कठोर कार्रवाई करने के लिए विवश होंगे ट्रेनों के ठहराव की शुभकामनाएं क्षेत्र वासियों को सांसद ने दी। अनूपपुर रेलवे स्टेशन में सांसद ने संतरागाछी ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अनूपपुर से किया रवाना।

समस्याओं का हो रहा समाधान

लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने कहा कि मोदी सरकार में रेलवे के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर सांसद हिमाद्री सिंह के प्रयास से विस्तार हुआ है रेलवे स्टेशनों में जहां गंदगी अंबार रहता था आज वहां स्वच्छ भारत मिशन के तहत स्वच्छ वातावरण निर्मित हुआ है संसद के प्रयास से हमारे सफर को गति मिल रही है।

प्रमुख रूप से रहे उपस्थित

ट्रेनों के ठहराव के लोकार्पण कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष जितेंद्र सोनी विनोद केवट जितेंद्र भट्ट श्याम नारायण उरमालिया कार्यालय मंत्री चंद्रिका द्विवेदी शिवरतन वर्मा नर्मदा सिंह मीडिया प्रभारी राजेश सिंह अभिषेक शीलू त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण सोनी विजय राठौड़ मुकेश पटेल रंजीत सराते अक्षय पांडे तथा क्षेत्र के गणमान्य नागरिक रेलवे के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

'उड़ान' को मंजूरी, पर निर्माण अटका

शहडोल एयरपोर्ट दो साल से ठंडे बस्ते में, पत्राचार हुआ, प्रक्रिया नहीं बढ़ी; लालपुर हवाई पट्टी पर 74 हेक्टेयर भूमि प्रस्तावित

विजय मत, शहडोल

मध्यप्रदेश के आदिवासी बहुल संभाग मुख्यालय शहडोल में हवाई सेवा शुरू करने का सपना अब भी कागज़ों में अटका हुआ है। केंद्र सरकार द्वारा 2024 में रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम 'उड़ान' में शामिल किए जाने के बाद उम्मीद जगी थी कि लालपुर हवाई पट्टी पर एयरपोर्ट निर्माण की प्रक्रिया तेज होगी, लेकिन दो वर्ष बीत जाने के बाद भी जमीन पर कोई ठोस शुरुआत नहीं हो सकी है। कलेक्टर ने लालपुर हवाई पट्टी की भूमि के संबंध में एसडीएम को सीमांकन के लिए निर्देश दिया है।

पांच बार पत्राचार, फिर भी प्रक्रिया सुस्त

विमानन विभाग भोपाल ने 13 जुलाई 2023 को पहली बार शहडोल कलेक्टर से एयरपोर्ट निर्माण के लिए जमीन संबंधी जानकारी मांगी थी। इसके बाद 11 सितंबर 2023, 17 जनवरी 2024, 5 फरवरी 2024 और 11 नवंबर 2024 को पुनः पत्र भेजे गए। 16 माह में पांच बार पत्राचार के बावजूद विभागीय स्तर पर आगे की प्रक्रिया स्पष्ट रूप से आगे नहीं बढ़ पाई।

74 हेक्टेयर भूमि का प्रस्ताव भेजा गया

तत्कालीन कलेक्टर वंदना वैद्य ने 7 मार्च 2024 को लालपुर हवाई पट्टी के आसपास 74.364 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहण का विस्तृत प्रस्ताव विमानन विभाग को भेजा। इसके बाद वर्तमान कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने 3 दिसंबर 2024 को विभाग की मांग पर 21 बिंदुओं की विस्तृत रिपोर्ट भी प्रेषित की। इसके बावजूद निर्माण कार्य प्रारंभ करने को लेकर अंतिम स्वीकृति की स्थिति अब तक स्पष्ट नहीं है।

घोषणाएं हुईं, उम्मीदें बढ़ीं

23 अगस्त 2023 को तत्कालीन मुख्यमंत्री और वर्तमान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शहडोल में एयरपोर्ट निर्माण को विकास के लिए अहम बताया था। वहीं 16 जनवरी 2025 को रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी शहडोल में बेहतर एयरपोर्ट विकसित करने की बात कही थी। विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों में हवाई सुविधा को क्षेत्रीय प्रगति से जोड़ा गया।

प्रशासनिक आश्वासन, इंतजार बरकरार

संभाग मुख्यालय होने के कारण शहडोल का प्रशासनिक और औद्योगिक महत्व लगातार बढ़ रहा है। कोयला क्षेत्र और ऊर्जा परियोजनाओं के चलते हवाई संपर्क को आवश्यक माना जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि एयरपोर्ट निर्माण की प्रक्रिया को गति दी जाएगी, लेकिन फिलहाल फाइलों की रफ्तार और जमीनी हकीकत के बीच अंतर बना हुआ है।

न्यूज इन शॉर्ट

पेयजल गुणवत्ता पर उठे सवालः पूर्व पार्षद इसहाक ने नपा का ध्यान कराया आकर्षित

शहडोल। शहडोल नगर पालिका परिषद के पूर्व पार्षद एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष इसहाक ने शहर में पेयजल आपूर्ति की गुणवत्ता को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका आरोप है कि पिछले दो महीनों से नगर पालिका द्वारा प्रदाय किया जा रहा पानी दूषित है और नाली के पानी जैसा प्रतीत होता है। इस संबंध में उन्होंने बताया कि नगर पालिका में कई बार शिकायत दर्ज कराई गई है, किंतु अब तक स्थिति में सुधार नहीं हो सका है। उन्होंने कहा कि दूषित पानी से नागरिकों के स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ सकता है और समय रहते इस समस्या का समाधान आवश्यक है। उन्होंने हाल ही में अन्य शहरों में दूषित पानी से हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी परिस्थितियों से सबक लेते हुए नगर पालिका को पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच और शुद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि किसी अप्रिय घटना की संभावना को रोका जा सके।

नवांकुर संस्थाओं की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

शहडोल। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद (योजना, आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग, म.प्र. शासन) द्वारा कलेक्टर कार्यालय के ई-दक्ष केंद्र में एक दिवसीय नवांकुर संस्थाओं की मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पाण्डेय ने नवांकुर संस्थाओं के साथ कार्यरत ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों की क्षमतावृद्धि एवं सक्रियता पर जोर देते हुए सतत संपर्क, संवाद तथा नियमित बैठकों की आवश्यकता बताई। उन्होंने वरिष्ठ कार्यालयों द्वारा जारी निर्देशों का समय-सीमा में प्रमाणिकता के साथ पालन करने, किए गए कार्यों का समुचित दस्तावेजीकरण करने तथा सेक्टर बैठकों के माध्यम से विभिन्न गतिविधियों व प्रशिक्षण आयोजित करने के निर्देश दिए। साथ ही नर्सरी स्थापना एवं आदर्श ग्राम निर्माण हेतु विशेष प्रयास करने के लिए निर्देशित किया। बैठक के दौरान प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संचालित योजनाओं एवं कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रस्तुत की। समीक्षा बैठक में विकासखंड समन्वयक श्री ऋत्विकदास मिश्रा, श्रीमती प्रिया सिंह बघेल, श्री शिवदत्त उर्मलिया, जिले के नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि एवं सीएम सोशल इंटर्न भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि की अंतरित

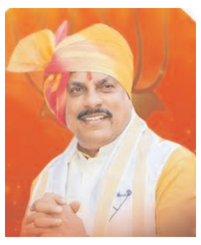

शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सागर जिले की तहसील रहली के गढ़ाकोटा में आयोजित रहस मेले के शुभारंभ समारोह के अवसर पर मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना की माह जनवरी पेड इन फरवरी 2026 की राशि हितग्राहियों के खातों में अंतरित की। पेंशन योजनाओं में प्रति हितग्राही प्रतिमाह 600 रूपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव लगभग 32 लाख से अधिक हितग्राहियों के खाते में 196.72 करोड़ का वितरण सिंगल क्लिक के माध्यम से किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वर्चुअली रूप से शहडोल जिले के मुख्यमंत्री सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के 28324 पेंषन हितग्राहियो को 16994400 रूपये की राषि अंतरित की।

शहडोल की सड़कों पर उड़ती धूल से जनता बेहाल

खुदाई के बाद अधूरी मरम्मत, शहरवासी सांस की परेशानी से जूझने को मजबूर

विजय मत, शहडोल

शहडोल नगर में इन दिनों शहर की सड़कों पर धूल के गुबार आम दृश्य बन चुके हैं। हालात यह हैं कि सुबह से लेकर देर शाम तक सड़क पर चलते ही धूल का बादल उठता दिखाई देता है। यह समस्या किसी एक वार्ड या मोहल्ले तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे शहर में फैली हुई है। जगह-जगह सड़कों को खोदकर छोड़ दिया गया है, लेकिन उनकी समुचित मरम्मत नहीं की गई। नतीजतन, वाहन गुजरते ही धूल के गुबार उठते हैं और आसपास का वातावरण धुंधला हो जाता है।

अस्पताल से जेल रोड तक बिगड़े हालात-जिला मुख्यालय स्थित शासकीय अस्पताल से लेकर जेल बिल्डिंग तक की सड़क पर स्थिति बेहद खराब बताई जा रही है। यहां दिनभर मरीजों और परिजनों की आवाजाही रहती है, लेकिन उड़ती धूल के कारण उन्हें भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार तो धूल के गुबार के कारण सामने से आ रहे वाहन तक साफ नजर नहीं आते, जिससे दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है।

प्रमुख मोहल्लों में परेशानी चरम पर -घरौला मोहल्ला, गायत्री मंदिर के पास, पुलिस लाइन रोड तथा पांडव नगर पालिटेक्निक ग्राउंड् से कन्या महाविद्यालय तक सड़क की हालत बदतर है। इन क्षेत्रों में सीवर लाइन बिछाने के लिए सड़कों को खोदा गया था। खुदाई के बाद गड्ढों को भरने के लिए मिट्टी डाल दी गई, लेकिन पक्की मरम्मत नहीं की गई। कई स्थानों पर आंशिक रूप से सीमेंट लगाया गया है, जबकि अधिकांश जगहों पर सिर्फ ढीली मिट्टी ही छोड़ दी गई है। यही मिट्टी अब धूल बनकर लोगों की परेशानी का कारण बन रही है।

दुकानदार और राहगीर सबसे ज्यादा प्रभावित -सड़कों के किनारे दिनभर बैठने वाले दुकानदारों के लिए स्थिति बेहद चिंताजनक है। लगातार उड़ती धूल के कारण उन्हें सांस लेने में तकलीफ हो रही है। कई दुकानदारों को दिनभर मुंह पर कपड़ा या मास्क बांधकर बैठना पड़ रहा है। राहगीरों को भी मजबूरी में मास्क लगाकर निकलना पड़ रहा है ताकि धूल के कण सांस के जरिए शरीर में प्रवेश न कर सकें।

जिम्मेदारों की उदासीनता पर सवाल -शहर में यह स्थिति लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी इस ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते सड़कों की ठीक से मरम्मत कर दी जाती, तो इस तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। फिलहाल, शहडोल की सड़कों पर उड़ती धूल लोगों के लिए रोजमर्रा की मुसीबत बन चुकी है और हालात सुधरने के कोई स्पष्ट संकेत नजर नहीं आ रहे हैं।

तीन मास्टर डिग्रीधारी नौकरी की जगह खेती एवं उद्यानिकी में चुनी अपनी राह

जंगल के बीच हाईटेक हॉर्टिकल्चर फार्मिंग शुरू की और लाखों की कमाई कर रहे

विजय मत, शहडोल

जहां आमतौर पर युवा नौकरी की तलाश में शहरों का रुख करते हैं, वहीं शहडोल जिले के सुदूर वनांचल ग्राम टेंघा निवासी युवक पारसमणि सिंह ने पढ़ाई को ताकत बनाकर खेती में इतिहास रच दिया है। तीन-तीन मास्टर डिग्री जूलॉजी, इंग्लिश और कंप्यूटर साइंस में मास्टर डिग्री हासिल की है और वर्तमान में एमएसडब्ल्यू की प?ाई भी कर रहे हैं। नौकरी के पीछे भागने की बजाय पारसमणि ने जंगल के बीच हाईटेक हॉर्टिकल्चर फार्मिंग शुरू की और आज लाखों की कमाई कर रहे है।

पारसमणी सिंह (36 वर्ष) ने यह साबित कर दिया कि अगर सोच वैज्ञानिक हो और इरादे मजबूत हों, तो जंगल भी अवसर बन सकता है।

पारसमणी सिंह करीब 10 से 15 साल तक अतिथि शिक्षक के रूप में अंग्रेजी विषय के शिक्षक का दायित्व निभाने के बाद उनका मन नौकरी में नहीं लगा। वे कुछ अलग करना चाहते थे। इसी सोच के साथ उन्होंने खेती को व्यवसाय के रूप में अपनाया और गांव में आधुनिक खेती का मॉडल ख?ा कर दिया।

25 से 30 लोगों को रोजगार, 20-25 लाख का कारोबार

पारसमणी सिंह 15 से 20 एक? भूमि में व्यावसायिक सब्जी खेती कर रहे हैं। उनके फार्म में 25 से 30 स्थानीय लोगों को नियमित रोजगार मिला हुआ है। टमाटर, शिमला मिर्च, बैंगन, खीरा, भिंडी, बरबटी, गोभी, लौकी, तरोई, कद्दू के साथ-साथ नींबू और गेंदा फूल की खेती भी की जा रही है। गेंदा फूल से उन्हें दोहरा फायदा मिलता है अतिरिक्त आमदनी और कीट नियंत्रण भी होता है।

ड्रिप-मल्चिंग से बदली किस्मत

शुरुआत में दो साल तक संघर्ष भी रहा, लेकिन कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि विभाग से मार्गदर्शन मिलने के बाद पारसमणी सिंह ने ड्रिप इरीगेशन और मल्चिंग जैसी आधुनिक तकनीकों को अपनाया। आज उनकी सब्जियां शहडोल तक सीमित नहीं, बल्कि अनूपपुर, बिलासपुर, अंबिकापुर और रायपुर की मंडियों तक पहुंच रही हैं।

सालाना 10 से 15 लाख की शुद्ध कमाई

हाईटेक खेती में सालाना 4-5 लाख रुपये की लागत

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का भव्य आयोजन

विजय मत, शहडोल

पंडित शम्भूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में 27-28 फरवरी 2026 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का मुख्य विषय था– विज्ञान में महिलाएँ ‒ विकसित भारत की उत्प्रेरक तथा उपविषय था– सतत भविष्य के लिए विज्ञान में नवाचार। इस आयोजन का संचालन जैव प्रौद्योगिकी एवं भौतिकी विभाग द्वारा किया गया तथा इसे एम पी एस टी, भोपाल का सहयोग प्राप्त हुआ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राम शंकर थे। अध्यक्षता डीन एवं विभागाध्यक्ष प्रो. प्रवीण शर्मा (संयोजक) ने की। कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. योगिता बसेने (सहायक प्राध्यापक, जैव प्रौद्योगिकी विभाग) द्वारा किया गया।मुख्य अतिथि प्रो. राम शंकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हमें महान वैज्ञानिकों के योगदान का स्मरण कराते हुए नवाचार की नई दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। विकसित भारत के निर्माण में महिलाओं की वैज्ञानिक सहभागिता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

विवाह सीजन बना आर्थिक संकट, जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

एक सामुदायिक भवन पर निर्भरता, नगर पालिका की योजना पर सवाल

विजय मत, शहडोल

फरवरी और मार्च का महीना शहडोल में विवाह का सबसे व्यस्त समय माना जाता है, लेकिन इस बार यह सीजन कई परिवारों के लिए चिंता और परेशानी का कारण बन गया है। शहर में वैवाहिक आयोजनों के लिए नगर पालिका का केवल एक ही सामुदायिक भवन उपलब्ध है, जिससे बुकिंग को लेकर भारी दबाव की स्थिति बन रही है।

निजी मैरिज गार्डन की ऊंची दरों ने बढ़ाई मुश्किल -शहर में 25 से अधिक व्यवस्थित निजी मैरिज गार्डन संचालित हो रहे हैं, लेकिन इनका किराया आम आदमी की पहुंच से बाहर है। जानकारों के अनुसार एक व्यवस्थित मैरिज गार्डन का औसत किराया डेढ़ से दो लाख रुपए तक पहुंच जाता है। सजावट, टेंट और अन्य व्यवस्थाओं को जोड़ दिया जाए तो खर्च और भी बढ़ जाता है। गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए यह राशि जुटाना आसान नहीं है। कई परिवारों को कर्ज लेने या अपनी बचत पूरी तरह खर्च करने की मजबूरी झेलनी पड़ रही है।

नगर पालिका का सामुदायिक भवन भी नहीं सस्ता विकल्प -बाणगंगा मेला मैदान के समीप स्थित नगर पालिका के सामुदायिक भवन को अपेक्षाकृत सस्ता विकल्प माना जाता है। इसका कुल किराया 1 लाख 13 हजार रुपए निर्धारित है, जिसमें से 25 हजार रुपए रिफंडेबल बताए जाते हैं। हालांकि निजी गार्डन की तुलना में यह कम है, लेकिन सीमित संख्या और अधिक मांग के कारण इसकी बुकिंग मिल पाना बेहद कठिन हो गया है। विवाह सीजन में कई तिथियां पहले ही बुक हो जाती हैं, जिससे लोगों को मनचाही तारीख छोड़नी पड़ती है।

बढ़ती आबादी, घटती सुविधाएं -शहर की आबादी लगातार बढ़ रही है और सामाजिक आयोजनों की संख्या भी बढ़ी है, लेकिन सुविधाओं का विस्तार उसी अनुपात में नहीं हुआ। वर्षों से नए सामुदायिक भवन निर्माण की मांग उठती रही है, लेकिन नगर पालिका की ओर से कोई ठोस पहल सामने नहीं आई। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते अतिरिक्त सामुदायिक भवन बनाए जाते, तो आज आम जनता को इस आर्थिक दबाव का सामना नहीं करना पड़ता।

बैठक

शालीनता एवं शांति बनाएं रखते हुए हर्ष उल्लास से त्यौहार मनाने का कलेक्टर ने जिलावासियो से आग्रह

आगामी त्यौहारो को आपसी सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने की जिला शांति समिति ने की अपील

विजय मत, शहडोल

जिले में सभी त्यौहार परपंरागत रूप से आपसी भाईचारे एवं सौहार्द्र के साथ मनाने की परपंरा रही है, इस परपंरा को आगे भी बनाए रखते हुए आगामी त्यौहारो को हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील जिला शांति समिति के सदस्यो ने जिलावासियो से की है।

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के विराट सभागार में जिला शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर ने कहा कि आगामी दिनों में होली, धुरेड़ी, ईद-उल फितर, परशुराम जयंती तथा चैत्र नवरात्रि के त्यौहार मनाए जाएंगे। कलेक्टर ने जिलेवासियो से आगामी सभी त्यौहारो को शालीनता एवं शांति बनाएं रखते हुए हर्षोल्लास एवं शांतिपूर्वक मनाने की अपील की है।

बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष श्री घनश्याम जायसवाल, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्रीमती अमृता गर्ग, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्रीमती आशा भंडारी, नगर निरीक्षक सोहागपुर श्री अरूण पांडेय, यातायात प्रभारी श्री संजय जायसवाल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होलिका दहन का कार्यक्रम गत वर्ष की भॉति इस वर्ष भी उन्ही स्थानो में किया जाए जहां पूर्व से होता आ रहा है। होलिका रखने जाने वाले स्थानो की सूची पुलिस कंट्रोल रूम को उपलब्ध कराई जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि होलिका ऐसे स्थानो पर नही रखी जाएं जिससे

यातायात प्रभावित हो। साथ ही बिजली के खम्भो या तारो के नीचे, टेलीफोन के खंभो, पेड़ तथा खलिहान आदि के पास नही रखी जाए। होलिका में सूखी लकड़ी तथा कंडो का उपयोग किया जाए। हरे भरे पेड़ का उपयोग नही किये जाएं, पानी के दुरूपयोग हेतु सूखी होली खेली जाएं, रंगो में कैमिकल का उपयोग नही किया जाए न ही पेंट, कीचड़ एवं ग्रीस, काला ऑयल आदि का प्रयोग किया जाए। बिना सहमति के दूसरो पर रंग नही डाला जाए जिससे विवाद की स्थिति पैदा हो। बोर्ड की परीक्षाओ को दृष्टिगत रखते हुए होलिका दहन स्थल पर ध्वनि विस्तारक यंत्रो डीजे आदि का प्रयोग नही किये जाएं। होली त्यौहार के दौरान 2 मार्च 2026 को रात्रि 11:30 बजे से 3 मार्च 2026 को सांय 5 बजे से शराब की दुकानें बंद रहेगी। कंट्रोल रूम में फायर बिग्रेड की व्यवस्था तथा अस्पताल में आपात चिकित्सा व्यवस्था रखी जाएगी। संबंधित एसडीएम, कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा लोगो के साथ बैठक करने के लिए उत्तरादायी रहेंगे। कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस बल की तैनाती पुलिस अधीक्षक शहडोल द्वारा की जाएगी। नगरपालिका द्वारा धुरेणी के दिन सुचारू रूप से पानी की व्यवस्था, साफ- सफाई की व्यवस्था रखेंगे। संबंधित एसडीएम एवं थाना प्रभारियो को थान स्तर पर शांति समिति बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने कहा कि त्यौहारो के दौरान सोशल मीडिया में अपत्तिजनक एवं भडकाऊ कंटेट वाले पोस्ट नही किये जाएं। पुलिस द्वारा इसकी निगरानी की जाएगी। 19 मार्च से चैत्र नवरात्र प्रारंभ हो रही है 27 मार्च को राम नवमीं का त्यौहार मनाया जाएगा। नवरात्रि पर्व पर पंचमी एवं अष्टमी के दिन जिले के प्रमुख देवी मंदिरो में विशेष पुलिस की व्यवस्था की जाएगी। 19 मार्च को गुडी पड़वा, चैत्र नवरात्र बैठकी पर्व तथा 21 मार्च को ईद-उल-फितर एवं 27 मार्च को श्री राम नवमीं का त्यौहार मनाया जाएगा। ईद-उल-फितरत्यौहार में नगरपालिका द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की जाएगी। पुलिस द्वारा यातायात एवं रात्रि गश्त की व्यवस्था की जाएगी। बैठक में नमाज अदा करने वाले स्थानो की जानकारी दी गई।

बैठक में जिला शांति समिति के सदस्य श्री लक्ष्मण गुप्ता, डॉ. परमानंद तिवारी, अजय जायसवाल, राहुल मिश्रा, शान उल्ला खान सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहें।

आजीविका मेले का कलेक्टर ने किया शुभारंभ

आजीविका मेला में हर्बल गुलाल, गौ कास्ट सहित अन्य स्वदेशी उत्पाद उपलब्ध

विजय मत, शहडोल

संभागीय मुख्यालय शहडोल के पुराना बस स्टैंड सिंघानिया काम्पलेक्स में मध्यप्रदेश ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वाधान में होली के रंग आजीविका के संग थीम पर आयोजित संभागीय स्तरीय आजीविका मेले का शुभारंभ कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने मॉ सरस्वती के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया। साथ ही कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री शिवम प्रजापति, सदस्य जिला योजना समिति सहित अन्य अधिकारियो एवं गणमान्य नागरिको ने आजीविका होली मेला में लगाए गए स्टॉलो का भ्रमण किया एवं त्यौहारो से संबंधित हर्बल गुलाल, मिठाइयां खरीदी। आजीविका मेला में मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत स्व सहायता समूहों द्वारा बनाये गए उत्पाद, जैसे-आजीविका अमरकंटक कोदो, कोदो कुकीज, कोदो नमकीन,आजीविका शहद, आजीविका सत्तू, हेडवॉश, डिसवॉश, क्लीनवॉश, साबुन, अगरवत्ती, कलात्मक सजावटी सामग्रीयां, कपडे, आचार, वडी, पापड, आंवला केंडी, बीजापुरी काष्ठशिल्प, गौडी पेंटिंग, लोहशिल्प आदि व होली उत्सव पर हर्बल गुलाल, रंग, पिचकारी, मुखौटा आदि सामग्री उपलब्ध है।

इस पहल के माध्यम से ÷वोकल फॉर लोकल÷ को बढ़ावा दिया जा रहा है। स्थानीय स्तर पर निर्मित उत्पादों को सीधे उपभोक्ताओं तक पहुंचाकर न केवल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है।

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया सीरीज 2-0 से जीती

दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका के अर्धशतक से 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 गेंदों में छह चौके लगाकर 52 रन बनाये।

मुम्बई,एजेंसी

जॉर्जिया, लिचफील्ड की अच्छी बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने दूसरे एकदिवसीय में भी भारतीय टीम को हराया, सीरीज 2-0 से जीती

होबार्ट (ईएमएस)। जॉर्जिया वोल के शतक 101 रन और फीबी लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से मेजबान ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम ने यहां खेले गये दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में भारतीय टीम को पांच विकेट से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका रावल के अर्धशतक से भारतीय टीम ने 9 विकेट पर 251 रन बनाए। इसके बाद जीत के लिए मिले लक्ष्य को ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 36.1 ओवरों में ही पांच विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इस प्रकार तीन मैचों की सीरीज मेजबान टीम ने 2-0 से जीत ली है। ऑस्ट्रेलिया ने पहना एकदिवसीय भी जीता था।

इस दूसरे मैच में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रतिका के अर्धशतक से 9 विकेट पर 251 रन बनाए। प्रतिका ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 81 गेंदों में छह चौके लगाकर 52 रन बनाये। प्रतीका ने स्मृति मंधाना 31 के साथ पहले विकेट के लिए 78 रन बनाये। इसके बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 70 गेंद पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 54 रन बनाकर पारी को संभाला। अंत में टीम 50 ओवरों में 251 रनों के अच्छे स्कोर तक पहुंच पायी। ऑस्ट्रेलिया ने जॉर्जिया के 101 और लिचफील्ड के 80 रनों की सहायता से तय ओवरों से पहले ही मैच जैच लिया। इस प्रकार

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय टीम के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज जीत का सिलसिला बरकरार रखा है। इस मैच में लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत भी ठीक नहं रही और उसने कप्तान एलिसा हीली का विकेट शुरुआत में ही खो दिया। हीली ने केवल 6 रन बनाये। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 15.4 ओवर में 119 रन बनाकर जॉर्जिया और लिचफील्ड ने अपनी टीम को संभाला। भारत की ओर से भारत की ओर से काशवी गौतम ने 47 रन देकर दो विकेट लिए। जबकि दीप्ति शर्मा ने 32 रन देकर दो विकेट लिए।

वमेंस फाइनल में सबालेंका 1ह्य रायबकिना

विमेंस सिंगल्स फाइनल में आर्यना सबालेंका का सामना एलिना रायबकिना से होगा। यह मैच रॉड लेवर एरिना में 31 जनवरी को दोपहर 2ः00 बजे से खेला जाएगा। टॉप सीड सबालेंका ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन की विमेंस सिंगल कैटेगरी के सेमीफाइनल में यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना को सीधे सेटों में 6-2, 6-3 से हराया।

श्रीलंकाई क्रिकेट में बदलाव की जरुरत :कुमार

कोलंबो । श्रीलंकाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कुमार संगकार ने अपनी मेजबानी में हो रहे आईसीसी टी20 विश्वकप से टीम के बाहर होने पर निराशा जतायी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये हमारे क्रिकेट भविष्य को लेकर एक चेतावनी भी है, अगर हम अभी नहीं संभले तो इसी प्रकार पिछड़ते जाएंगे। इसलिए अब हमें बड़े बदलाव की जरुरत है।

संगकारा ने कहा, इस प्रकार बाहर होने सो हर तरफ बहुत दर्द है। प्रशंसक टूट चुके हैं, निराश और गुस्से में हैं। खिलाड़ी भी बेहद आहत हैं। मैं ऐसे ड्रेसिंग रूम में रहा हूं, यह आसान नहीं होता। लेकिन देश का प्रतिनिधित्व करना एक जिम्मेदारी भी है और सौभाग्य भी। संगकारा ने खिलाड़ियों के जज्बे को समझते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी का हिस्सा है, लेकिन इससे उबरने के लिए बदलाव जरूरी है। संगकारा ने कहा कि इस हार से हमें सबके लेते हुए खेल ढ़ांच में बदलाव करना होगा। साथ ही कहा, हर स्तर पर हमें काफी कुछ करने की जरुरत है।

खिलाड़ी रिंकू सिंह के पिता का निधन लिवर कैंसर से पीड़ित थे

नोएडा, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रिंकू सिंह के पिता खानचंद्र सिंह का आज तड़के निधन हो गया। वह 60 साल के थे और पिछ्ले काफी समय से लीवर कैंसर से पीड़ित थे। उसके पिता को गंभीर हालात में ग्रेटर ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया था पर उन्हें बचाया नहीं जा सका।

लिवर कैंसर फोर्थ स्टेज में पहुंचने के बाद से ही उनकी हालात खराब चल रही थी। इसी कारण रिंकू भी विश्वकप के बीच ही आचानक अस्पताल पहुंचे थे। वह पिछ्ले कुछ समय से गंभीर हालत में होने के कारण वेंटिलेटर सपोर्ट पर रखा गये थे। डॉक्टरों ने उन्हें स्थिर करने की कोशिश की थी और लगातार किडनी रिप्लेसमेंट थेरेपी चल रही थी। मगर उनकी हालत संभल नहीं पायी। पिता के निधन के बाद से ही रिंकू के परिवार में मातम छाया हुआ है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने भी रिंकू के पिता के निधन पर शोक जताया है। शुक्ला ने लिखा, क्रिकेटर रिंकू सिंह के पिता श्री खानचंद सिंह जी के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। इस कठिन घड़ी में मेरी गहरी संवेदनाएं रिंकू और उनके समस्त परिवार के साथ हैं। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोककुल परिवार को यह अपार दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

इसके अलावा पूर्व क्रिकेटर

भारत के खिलाफ शतक नहीं लगा पाने से निराशा हुई : बेनेट

चेन्नई, एजेंसी

जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाफ सुपर-8 मुकाबले में खेली अपनी पारी से संतुष्ट हैं पर उन्हें इस बात का मलाल है कि वह इस मैच में शतक नहीं लगा पाये। बेनेट ने भारतीय टीम के खिलाफ 97 रनों की आक्रामक पारी खेली थी हालांकि अन्य बल्लेबाजों से उन्हें सहायता नहीं मिली। इस मैच में भारतीय टीम से जीत के लिए मिले 257 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्म्बाब्वे की टीम छह विकेट पर 184 रन ही बना पायी।

बेनेट ने कहा, अगर मैं शतक पूरा कर लेता तो अच्छा होता। क्रिकेट में कभी-कभी ऐसा ही होता है जब इस प्रकार के अवसर मिलते हैं। मैं हमेशा उस स्थिति में नहीं रहूंगा। मुझे खुशी है कि मैंने अच्छी पारी खेली पर निराशा इस बात की रहेगी कि टीम को जीत नहीं दिला पाया। उन्होंने कहा, जब भी कोई नया बल्लेबाज क्रीज पर उतरता तो मैं उससे यही कहता कि गेंद को अच्छी तरह से देखो और फिर उस पर शॉट लगाओ। मैं क्या कर रहा हूं ये मत देखो, तुम अपना काम करो। हमारे लिए अच्छी साझेदारी निभाना जरूरी था।

बेनेट ने कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को खेलना कठिन था। मैं पहली बार उनके खिलाफ खेल रहा था। वह शीर्ष स्तर के गेंदबाज हैं। मैं बस यही सोच रहा था की गेंद पर अपना ध्यान बनाये रखूं और अपना स्वाभाविक खेल खेलूं। गेंद मेरे करीब थी और मैंने उस पर जोरदार शॉट लगाया।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में बदले हुए वजन वर्ग में उतरेंगे पहलवान रवि दहिया

नई दिल्ली ,एजेंसी

ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है।

इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती

चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं।

इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है।

स्वर्ण पदक जीता

साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमे स्वर्ण पदक जीते थे ।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण

भारतीय बल्लेबाजों ने 150 से अधिक स्ट्राइक रेट का रिकार्ड बनाया

मुंबई, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम ने टी20 विश्वकप के अपने दूसरे ही सुपर-8 मैच में जिम्बाब्वे के खिलाफ बड़ी जीत के साथ ही सेमीफाइनल की संभावनाएं बनाये रखने के साथ ही एक नया रिकार्ड भी अपने नाम किया है। इस मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट खोकर 256 रन बनाए। इस मैच में भारतीय टीम के 6 बल्लेबाज उतरे और सभी ने 20 से ज्यादा रन बनाए और इस दौरान सबका स्ट्राइक रेट 150 से ऊपर का रहा। यह इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहला अवसर है, जब किसी टीम के 6 बल्लेबाजों ने 20 से ज्यादा रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 150 से अधिक रहा। साल 2007 में टी20 विश्वकप शुरु होने से इससे पहले कभी ऐसा देखने को नहीं मिला।

इस मैच में टॉस जीतने के बाद अभिषेक शर्मा के साथ पारी शुरु करते हुए संजू सैमसन ने तेजी से 15 गेंदों में 24 रन बनाकर आउट हो गए। उनका स्ट्राइक रेट 160 का रहा।

व्यापार

भारत स्मार्टफोन उत्पादन बढ़ाने नई पीएलआई योजना पर कर रहा है विचार

मुंबई ,एजेंसी

भारत सरकार स्मार्टफोन निर्माण को बढ़ावा देने के लिए एक नई उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने पर विचार कर रही है। मौजूदा योजना 31 मार्च को समाप्त हो रही है। इस बार वित्तीय प्रोत्साहन मुख्य रूप से घरेलू मूल्यवर्धन से जोड़ा जाएगा, जिससे स्थानीय विनिर्माण और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूती मिलेगी। 2020 में शुरू हुई पांच साल की मौजूदा पीएलआई योजना के तहत कंपनियों को वृद्धिशील निवेश और उत्पादन मूल्य लक्ष्य पूरा करने पर 4-6 फीसदी तक प्रोत्साहन मिलता रहा।

हालांकि निर्यात और प्रत्यक्ष रोजगार पर नजर रखी जाती रही, पर इन्हें अनिवार्य नहीं माना गया। योजना का कुल बजट 34,193 करोड़ रुपये था, लेकिन वास्तविक भुगतान लगभग 20,000 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। ऐपल के आपूर्तिकर्ता टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स और फॉक्सकॉन, साथ ही सैमसंग और डिक्सन टेक्नॉलजीज (इंडिया) इसका बड़ा हिस्सा प्राप्त करेंगे। सरकार को उम्मीद थी कि घरेलू मूल्यवर्धन वित्त वर्ष 2026 तक 35-40 फीसदी तक बढ़ेगा, लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार यह केवल 18-20 फीसदी रह सकता है। 2020 में गलवान सीमा विवाद और प्रेस नोट 3 लागू होने के बाद चीन से प्रत्यक्ष विदेशी निवेश पर रोक लग गई, जिससे चीन की कलपुर्जा कंपनियों का भारत में प्रवेश प्रभावित हुआ।

इसके परिणामस्वरूप ऐपल ने चीन आधारित आपूर्तिकर्ताओं को भारत लाने की योजना छोड़ दी और स्थानीय व दूसरे देशों की कंपनियों के साथ आपूर्ति श्रृंखला विकसित करने का विकल्प चुना।

शेयर बाजार में गौडियम आईवीएफ की बेहतर शुरुआत

फर्टिलिटी सेवाएं प्रदान करने वाली कंपनी गौडियम आईवीएफ एंड वूमेन हैल्थ ने शेयर बाजार में उम्मीद से बेहतर शुरुआत की। कंपनी के शेयर करीब 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 79 रुपए के इश्यू प्राइस के मुकाबले 83 रुपए पर लिस्ट हुए। शेयरों की लिस्टिंग एनएसई और बीएसई दोनों पर 83 रुपए पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद शेयरों में हल्की मुनाफावसूली देखी गई और वे अपने लिस्टिंग मूल्य से लगभग 1 प्रतिशत नीचे कारोबार करते नजर आए। लिस्टिंग से पहले अनौपचारिक बाजार में कंपनी के शेयर करीब 79 रुपए के स्तर पर कारोबार कर रहे थे। ऐसे में वास्तविक लिस्टिंग प्राइस ग्रे मार्केट के अनुमानों से बेहतर रही, जिसने निवेशकों को सकारात्मक संकेत दिया। आईपीओ को निवेशकों से अच्छा रिस्पांस मिला और यह कुल 7.27 गुना सब्सक्र इब हुआ। 14.62 मिलियन शेयरों के मुकाबले 106.35 मिलियन शेयरों के लिए बोलियां प्राप्त हुईं। नॉन-इंस्टीट्यूशनल निवेशकों (एनआईआई) की श्रेणी 14.05 गुना सब्सक्र इब हुई, जबकि रिटेल निवेशकों का हिस्सा 7.60 गुना भरा।

रुपया गिरावट के साथ हुआ बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया 15 पैसे टूटकर 91.06 पर बंद हुआ। वैश्विक बाजार में रुपया शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.95 पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निकासी और घरेलू शेयर बाजारों की नकारात्मक शुरुआत के कारण घरेलू मुद्रा पर दबाव बना। विदेशी मुद्रा कारोबारियों का

कहना है कि डॉलर के कमजोर होने और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में और अधिक गिरावट को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.91 पर खुला लेकिन बाद में टूटकर 90.95 पर आ गया, जो पिछ्ले बंद भाव से चार पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 90.91 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ था।

सिंगापुर की ठकराल कॉरपोरेशन भारत में ड्रोन कलपुर्जों का करेगा विनिर्माण

सिंगापुर, एजेंसी

स्थित ठकराल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने अपने नवीनतम वित्तीय विवरण में भारत में विशेषीकृत और एंटरप्राइज-ग्रेड ड्रोन के विनिर्माण की संभावनाओं का अध्ययन करने की योजना की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य औद्योगिक और वाणिज्यिक ड्रोन की बढ़ती मांग को पूरा करना और इस कम सेवा प्राप्त बाजार में अवसरों का लाभ उठाना है।

ठकराल की अनुषंगी कंपनी भारत स्काइटेक कृषि ड्रोन क्षेत्र में सक्रिय है और घरेलू विनिर्माताओं को ड्रोन कलपुर्जो का निर्माण और आपूर्ति करती है। इससे समूह को भारत में कृषि ड्रोन खंड में तेजी से विस्तार करने का अवसर मिलेगा। समूह का चीन के डीजेआई टेक्नोलॉजी के साथ समझौता है। अगले 2-3 वर्षों में, ठकराल भारत और अन्य दक्षिण एशियाई देशों में 20-30 डीजेआई रिटेल स्टोर खोलने की

योजना बना रहा है। इनमें प्रमुख शहरों में फ्लैगशिप स्टोर भी शामिल होंगे, जिनकी शुरुआत 2026 की पहली छमाही से होने की संभावना है। ठकराल ने एक उद्योग रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि भारत का ड्रोन बाजार वित्त वर्ष 2023-24 में 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2029-30 तक 11 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है।

इस तेजी से बढ़ते बाजार में औद्योगिक, वाणिज्यिक और कृषि ड्रोन की मांग मुख्य प्रेरक होगी। ठकराल भारत में ड्रोन घटकों के विनिर्माण, प्रीमियम ब्रांड वितरण (जैसे नेस्प्रेसो) और रियल एस्टेट परियोजनाओं में सक्रिय है। जापान, ऑस्ट्रेलिया और चीन सहित एशिया के कई देशों में इसके परिचालन समूह को तकनीकी और बाजार विस्तार में मजबूत स्थिति प्रदान करते हैं।

सेबी ने सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड किए खत्म, अब निवेश रणनीति पर फोकस

मुंबई, एजेंसी

सेबी ने स्पष्ट किया कि म्यूचुअल फंड का चयन अब नाम या भावुक टाइटल पर नहीं, बल्कि वास्तविक निवेश रणनीति पर आधारित होगा। इसी आदेश के तहत सॉल्यूशन ओरिएंटेड फंड कैटेगरी को पूरी तरह बंद कर दिया गया। इस श्रेणी में कुल 44 फंड थे, जिनमें 15 चिल्ड्रेन फंड और 29 रिटायरमेंट फंड शामिल थे। सेबी ने कहा है कि निवेशकों का पैसा सुरक्षित रहेगा। ये फंड अब हाइब्रिड या मल्टी-एसेट फंड्स में मर्ज कर दिए जाएंगे, जिनका जोखिम प्रोफाइल और रणनीति समान है। हालांकि, इन फंडों में नई निवेश राशि पर तुरंत रोक लगाई गई है। अब निवेशकों के लिए लाइफ स्टाइल फंड मुख्य विकल्प होंगे। इन फंडों की खासियत यह है कि जैसे-जैसे निवेशक की उम्र बढ़ेगी या लक्ष्य के साल करीब आएगा, यह फंड अपने आप रिस्क कम कर देगा। युवा निवेशकों के लिए अधिक इक्विटी और रिटायरमेंट के नजदीक अधिक डेट इंस्ट्रूमेंट्स शामिल होंगे। सेबी ने साफ कर दिया है कि ये फंड लंबी अवधि के लिए हैं, इसलिए बीच में पैसा निकालने वालों पर कड़ा जुर्माना लगेगाः 1 साल के भीतर निकासी पर 3 फीसदी चार्ज, 2 साल के भीतर निकासी पर 2 फीसदी है।

1 अप्रैल से 20 फीसदी एथनॉल मिश्रित पेट्रोल बिक्री अनिवार्य

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने 1 अप्रैल से देशभर में 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20) की बिक्री अनिवार्य कर दी है। इस संबंध में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने 17 फरवरी को अधिसूचना जारी की। आदेश के अनुसार तेल विपणन कंपनियों को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कम से कम 95 रिसर्च ऑक्टेन नंबर वाला एथनॉल मिश्रित पेट्रोल बेचना होगा।अधिसूचना में कहा गया है कि विशेष परिस्थितियों में केंद्र सरकार तेल कंपनियों को सीमित अवधि और तय क्षेत्रों में मानकों के अनुरूप ईंधन की बिक्री की अनुमति दे सकती है।

शेयर मार्केट इस गिरावट से निवेशकों को पांच लाख करोड़ का नुकसान हुआ है।

सेंसेक्स 961, निफ्टी 317 अंक गिरा निवेशकों को पांच लाख करोड़ का नुकसान

मुंबई, एजेंसी

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबार दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 961.42 अंक टूटकर 81,287.19 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 317.90 अंक फिसलकर 25,178.65 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रियल्टी और ऑटो शेयर गिरे। निफ्टी रियल्टी 2.26 फीसदी और निफ्टी ऑटो 1.86 फीसदी नीचे आये। निफ्टी एफएमसीजी 1.69 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.67 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.55 फीसदी, निफ्टी फार्मा 1.50 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी आईटी 0.16 फीसदी, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.17 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.60 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। लार्जकैप के साथ मिडकैप और स्मॉलकैप में भी बिकवाली दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 682.55 अंक टूटकर साथ 59,115.60 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 188.75 अंक फिसलकर 16,928.90 पर था। इस गिरावट से निवेशकों को पांच लाख करोड़ का नुकसान हुआ है।

सेंसेक्स पैक में एचसीएल टेक, ट्रेंट, इन्फोसिस भी लाभ में रहे थे। वहीं सन फार्मा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, इंडिगो, एमएंडएम, मारुति सुजुकी, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचयूएल, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस, पावर ग्रिड, टाटा स्टील, आईटीसी और एचडीएफसी बैंक के शेयर गिरे हैं। आज आई गिरावट का कारण विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली एफआईआई ने 3,465.99 करोड़ रुपए के इक्विटी की बिक्री की थी। इसके अलावा ईरान-अमेरिका के बीच कोई डील न होना, डॉलर के मुकाबले रुपए में गिरावट और वैश्विक बाजार से कमजोर संकेत शामिल थे।

विजय मत
राष्ट्र को समर्पित
मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र
www.vijaymat.com
भोपाल, शनिवार, 28 फरवरी 2026

आज़ाद कुटिया पहुँचकर मुख्यमंत्री ने अमर शहीद की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

अमर शहीद आजाद का सदैव किया जाएगा स्मरण : मोहन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की 95वीं पुण्य तिथि पर किया नमन

मुख्यमंत्री ने बस स्टैंड स्थित चन्द्रशेखर उद्यान में अमर शहीद चन्द्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। इस दौरान अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, क्षेत्रीय सांसद श्रीमती अनीता नागर सिंह चौहान, कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह सहित अन्य उपस्थित रहे।

विजय मत, ब्यूरो आलीराजपुर

अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आज़ाद की 95वीं पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शुक्रवार को उनकी जन्मस्थली चंद्रशेखर आज़ाद नगर स्थित ऐतिहासिक आज़ाद कुटिया पहुँचे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्र के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, सांसद श्रीमती अनीता चौहान, संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाडे, आईजी अनुराग, कलेक्टर श्रीमती नीतू माथुर, पुलिस अधीक्षक रघुवंश सिंह भदौरिया सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आजाद कुटिया में क्रांतिकारी अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद के स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय योगदान पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने आज़ाद कुटिया परिसर में ही स्थापित संग्रहालय का भी अवलोकन किया, जहां उनके जीवन, संघर्ष और क्रांतिकारी गतिविधियों से जुड़े दस्तावेज, चित्र और स्मृति चिह्न संजोए गए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमर शहीद चंद्रशेखर आज़ाद की शहादत पर स्मरण कर कहा कि भारत के सभी क्रांतिकारी नायकों का स्वतंत्रता संग्राम में अतुलनीय योगदान रहा है। शहीद चंद्रशेखर आज़ाद जैसे वीर क्रांतिकारी ने अनेक कठिनाइयों के बावजूद अपने अदम्य साहस और त्याग से तत्कालीन समय में स्वतंत्रता की अलख को रौशन रखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आदिवासी अंचलों के नायकों के संघर्ष को भी याद किया और कहा कि उन्होंने अंग्रेजों के विरुद्ध युद्ध कर स्वतंत्रता आंदोलन को मजबूत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जनजातीय नायक शहीद छीतू किराड़ के बलिदान को भी नमन करते हुए उनके योगदान को स्मरण किया।

आलीराजपुर जिले में 23 जुलाई 1906 को जन्मे चंद्रशेखर आज़ाद का प्रारंभिक जीवन तत्कालीन भाबरा वर्तमान चन्द्रशेखर आजाद नगर की पावन भूमि पर बीता। बचपन में उन्होंने भील बालकों के साथ रहकर धनुष-बाण चलाना और निशानेबाजी की शिक्षा प्राप्त की। आदिवासी अंचल में पले-बढ़े आज़ाद ने यहीं से साहस, स्वाभिमान और संघर्ष की प्रेरणा ली, वहीं से उनके क्रांतिकारी जीवन की आधारशिला बनी।

विधानसभा में विजयवर्गीय का ऐलान

अवैध कॉलोनियों पर तीन माह में सख्त कानून, दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई: कैलाश

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश विधानसभा में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने अवैध कॉलोनियों के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाने की घोषणा की। प्रश्नकाल के दौरान सीधी विधायक रीति पाठक के सवाल के जवाब में मंत्री ने कहा कि प्रदेश में अगले तीन माह के भीतर अवैध कॉलोनियों के खिलाफ सख्त कानून लागू किया जाएगा और दोषियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मंत्री ने बताया कि विशेष रूप से बिना रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) पंजीयन के विकसित की गई कॉलोनियों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी। जो कॉलोनियां नियमानुसार वैध की जा सकती हैं, उनके प्रकरणों पर विचार होगा, जबकि शेष के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अवैध विकास गतिविधियों को किसी भी स्तर पर संरक्षण नहीं दिया जाएगा।

सीधी जिले के संदर्भ में मंत्री ने जानकारी दी कि पुराने बस स्टैंड को हटाकर आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स निर्माण हेतु लगभग सात करोड़ रुपये पूर्व में स्वीकृत किए जा चुके हैं। निविदा प्रक्रिया में विलंब के कारण कार्य प्रारंभ नहीं हो सका, किंतु आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कर शीघ्र निर्माण शुरू कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, सीधी नगरपालिका क्षेत्र के लिए बहुप्रतीक्षित सीवर लाइन निर्माण परियोजना को भी जल्द प्रशासकीय स्वीकृति दिए जाने की बात कही गई। मंत्री के अनुसार यह परियोजना शहर की आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और नागरिकों के जीवन स्तर में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

परामर्शदात्री समिति की बैठक में प्राप्त सुझावों पर किया जाएगा अमलः मंत्री तोमर

विजय मत, भोपाल

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि विभागीय परामर्शदात्री समिति की बैठक में सदस्यों द्वारा दिये गये सुझावों पर अधिकारी 5 दिवस में रिपोर्ट तैयार करें। साथ ही प्राप्त सुझावों पर गंभीरता से विचार कर अमल में लाने के प्रयास किये जायेंगे। तोमर ने कहा मध्यप्रदेश में पर्याप्त बिजली उपलब्ध है। उद्योगों से लेकर किसानों तक सभी को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। बैठक में समिति के सदस्यों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। उन्होंने कहा कि वन क्षेत्र में जंगली जानवरों से खतरे के मद्देनजर सिंचाई के लिये दिन में ही विद्युत आपूर्ति करने पर विचार किया जाये। इस दौरान सचिव विशेष गढ़पाले ने विभाग की 2 वर्ष की उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी की हानियां वर्ष 2024-25 में 2.60 प्रतिशत रहीं, जो न्यूनतम में से एक है। अमरकंटक विद्युत गृह द्वारा कंपनी के इतिहास में अब तक सर्वाधिक 512 दिन तक लगातार विद्युत उत्पादन किया गया। बिजली कंपनियों की उपभोक्ता सेवाओं में सुधार के लिये लगभग 52 हजार स्थायी पदों का सृजन किया गया है।

प्रदेश में पर्यावरण-संरक्षण के संदेश के साथ मनेगी होली

मुख्यमंत्री उत्कृष्ट गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन करने वाली संस्थाओं एवं पदाधिकारियों को देंगे प्रशस्ति-पत्र

‘स्वच्छ और स्वस्थ होली’ अभियान के अंतर्गत सार्वजनिक होलिका दहन का होगा निःशुल्क पंजीयन

विजय मत, भोपाल

इस वर्ष होली पर्व को पर्यावरण-संरक्षण और सामाजिक सद्भाव के संदेश के साथ मनाया जाए। इसके लिए राज्य शासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे आपसी मतभेद भुलाकर भाईचारे, सामाजिक एकता और उल्लास के साथ होली मनाएं। होलिका दहन में लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ (उपलों) का अधिकाधिक उपयोग करें।

प्रदेश सरकार द्वारा जारी निर्देश अनुसार जनसहयोग एवं सामाजिक सहभागिता के माध्यम से प्रयास किया जाएगा कि होलिका दहन में लकड़ी की जगह गो-काष्ठ का प्रयोग हो। साथ ही, प्राकृतिक एवं हर्बल रंगों से होली खेलने, जल संरक्षण करने तथा पशु-पक्षियों पर रंग न डालने के संकल्प के साथ उत्सव मनाने के लिए नागरिकों को प्रेरित किया

जाएगा। जिलों में विभिन्न स्तरों पर आयोजित होने वाले सार्वजनिक होलिका दहन कार्यक्रमों का निःशुल्क पंजीयन कराया जाए। यह पंजीयन जिला मुख्यालय, तहसील, नगरीय निकाय एवं पंचायत स्तर पर किया जाएगा। पंजीयन के दौरान आयोजक संस्था की संक्षिप्त जानकारी, पदाधिकारियों के नाम एवं संपर्क विवरण प्राप्त किए जाएंगे।

लकड़ी के स्थांन पर करें गो-काष्ठ का उपयोग

जिला स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार कर नागरिकों को गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन के लिए प्रेरित किया जाएगा। नगरीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं को इस अभियान में सरि य रूप से शामिल किया गया है। होलिका दहन के दिन मैदानी अमला सार्वजनिक आयोजनों का निरीक्षण कर लकड़ी के स्थान पर गो-काष्ठ के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा। जिन आयोजनों में पूर्ण रूप से गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन किया जाएगा, उनको संबंधित अधिकारी द्वारा प्रमाणित कर कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। जिलों के कलेक्टर ऐसे आयोजनों का संकलन सुनिश्चित करेंगे। प्रदेश सरकार आगामी दिनों में जिला मुख्यालयों पर जिला स्तरीय सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे। उत्कृष्ट गो-काष्ठ आधारित होलिका दहन करने वाली संस्थाओं एवं उनके पदाधिकारियों को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की ओर से प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। साथ ही भविष्य में ऐसी संस्थाओं को अन्य प्रकार से प्रोत्साहन अथवा सहयोग दिए जाने पर भी प्राथमिकता दी जाएगी। राज्य सरकार ने सभी कलेक्टर्स को "स्वच्छ और स्वस्थ होली" अभियान का प्रभावी रि यान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। संभागायुक्त इस संबंध में की जाने वाली कार्यवाही का पर्यवेक्षण करेंगे।